वर्ष : 16 ❖ अंक : 311 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शुक्रवार, 24 जून 2022

कोरोना से उबरने में सहयोग देगा बड़ा योगदान : पीएम मोदी 3 | भारत में खेल और खिलाड़ियों का हुआ विकास : अनुराग ठाकुर 8

चामलिंग का भाषण झूठ का पुलिंदा : सी.पी. शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 जून । सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री तथा विपक्षी विधायक पवन चामलिंग द्वारा अपनी पार्टी एसडीएफ के 30वें सम्पूर्ण क्रांति दिवस के आयोजन अवसर दिये गये भाषण को अमर्यादित एवं झूठ का पुलिंदा बताया है। साथ ही एसकेएम ने पवन चामलिंग को इस प्रकार जनता का मन जीतने की कोशिश छोड़ने का सुझाव भी दिया है।

सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के प्रवक्ता सीपी शर्मा ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि एसडीएफ के 30वें सम्पूर्ण क्रांति दिवस पर विपक्षी विधायक पवन चामलिंग ने अपने भाषण में सभी मर्यादाओं को ताक पर रख दिया। उनका यह भाषण नहीं, बल्कि झूठे आरोप, मिथ्या प्रचार एवं आधारहीन तथ्य ही थे, जिन्हें सुनकर कोई भी यह कह सकता है।

एसकेएम विज्ञप्ति के अनुसार मौजूदा सिक्किम सरकार एवं मुख्यमंत्री पीएस गोले ने राज्य के कैंसर पीड़ित मरीजों को बाहर न जाकर यही चिकित्सा सुनिश्चित करने हेतु सिक्किम में कैंसर अस्पताल के निर्माण की घोषणा की है। लेकिन पवन चामलिंग ने अपने भाषण में राज्य में कैंसर अस्पताल की स्थापना न होने और गरीब मरीजों की जान न बच पाने जैसी गैरजिम्मेदाराना बात कही है। उनके इस बयान से ही यह जाहिर हो गया है कि जब चामलिंग के हाथ में सत्ता थी, तब राज्य के गरीब लोगों को यहां बगैर चिकित्सा के ही अपनी जान गंवानी पड़ती थी। ऐसे में हम कैंसर अस्पताल के विरोध में दिये गये उनके बयान की आम जनता की तरफ से तीव्र निंदा करते हैं।

एसकेएम प्रवक्ता ने कहा कि दरअसल पवन चामलिंग ने यह भाषण उनके सत्ता से हटने का दुःख, मौज-मस्ती से दूर होने की हताशा और अकेले होने के अवसाद में ही दिया है। उनके द्वारा भाषण में पुलिस विभाग एवं जवानों को निकम्मा बताना काफी लज्जास्पद है। 25 वर्षों तक मुख्यमंत्री बने रहने में घमंड में पवन चामलिंग द्वारा यह कहना कि पुलिस की सक्रियता में ही सिक्किम में नशीले पदार्थ पहुंच रहे हैं, काफी निंदनीय है। शर्मा ने कहा कि जिन जवानों ने 25 वर्षों तक उन्हें सुरक्षा प्रदान की, अपने परिवार एवं बच्चों को समय न देकर जिनलोगों ने सिक्किम की शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित की, उन्हीं लोगों के बारे में पवन चामलिंग द्वारा यह कहना उनकी दूषित मनोभावना प्रदर्शित करता है। यह काफी शर्म की बात है।

शर्मा ने कहा कि हम यह सीना ठोंक कर कह सकते हैं कि रोजगार प्रदान करने के बदले युवाओं को नशे में डुबा कर बर्बाद करने वाली तत्कालीन पवन चामलिंग सरकार ही है। उनके अनुसार सिक्किम के मुख्यमंत्री पीएस गोले के नेतृत्व में वर्तमान सरकार के नशमुक्ति अभियान के स्वागत में समाज का आगे बढ़ कर समर्थन देने, पंचायतों के सक्रियता, समाजसेवियों एवं माताओं के आगे आने को देखते हुए भी इसे अनदेखा करना पवन चामलिंग के खराब दिमाग का परिचायक है। पवन चामलिंग द्वारा नशे में डूबे युवाओं का समर्थन करना तथा पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा जैसे करिश्माई नेता की तुलना ड्रग्स लेने वाले से करना दुर्भाग्य की बात है। सम्पूर्ण सिक्किम समाज एवं अभिभावकों को इसकी निंदा करनी चाहिये।

वहीं पवन चामलिंग द्वारा वर्तमान सरकार पर हत्या एवं हिंसा के आरोप लगाये जाने के सम्बंध में प्रवक्ता ने कहा कि अपने कार्याकाल में जेबी दर्नाल पर हुए

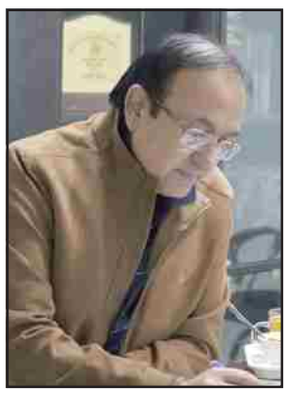

जानलेवा हमले, नन्दलाल शर्मा एवं सीबी चौहान की हत्याओं एवं ऐसी ही अन्य घटनाओं के बारे में क्या कहेंगे? एसकेएम समय से पवन चामलिंग की पूरी करतूत सबके सामने लायेगी और उस समय इसका जवाब देने के लिये पवन चामलिंग को तैयार रहना चाहिये। एसकेएम ने पवन चामलिंग को मानसिक असंतुलित व्यक्ति बताते हुए उन्हें सही व तथ्यात्मक बातें करने की सलाह दी है।

आत्मनिर्भर बनने के लिए छोटे गृह उद्योगों पर ध्यान केंद्रित करें एएचजी : राज्यपाल

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 23 जून । सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने आज डुगा बीएसी अंतर्गत सुमिन लिंगजे ग्राम पंचायत इकाई का भ्रमण किया। इस दौरान डुगा बीएसी के कार्यालय अधीक्षक अदीप के सी ने सुमिन लिंगजे जीपीयू के भविष्य की विकास योजनाओं, कार्यालय एवं ढांचागत विवरण तथा सड़क व परिवहन की स्थिति, पर्यटन विकास सुविधाओं के साथ ही गांव की भौगोलिक एवं सीमाई अवस्थिति के बारे में विस्तार से प्रस्तुति दी।

वहीं पाकिम डीसी ताशी चोफेल ने अपने वक्तव्य में राज्यपाल द्वारा 'अम्बा जीपीयू' को गोद लिये जाने के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने इस दूर-दराज के स्थान पर राज्यपाल के भ्रमण हेतु उन्हें धन्यवाद देते हुए भविष्य में उनके आगमन की उम्मीद जतायी। उनके अलावा क्षेत्रीय विधायक नामचायबोंग ऐम प्रसाद शर्मा ने अपने वक्तव्य में इलाके के लोगों के लिये कार्यक्रम में शिरकत करने हेतु राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि स्थानीय लोगों की विभिन्न मांगें मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंची हैं। साथ ही उन्होंने उम्मीद जतायी कि पीएम एफएमई जैसी योजनाएं एवं प्रोत्साहन सुविधाओं से यहां के किसान 'आत्मनिर्भर सिक्किम' की दिशा में अग्रसर होंगे।

इसके अलावा क्षेत्रीय विधायक ने निकट भविष्य में इलाके में होने वाले विभिन्न विकास कार्यों जैसे एनएच-10 हाईवे के नजदीक अपर सुमिन से पाकिम तक सड़क निर्माण एवं अन्य ढांचागत परियोजनाओं पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन ने राज्यपाल ने स्थानीय लोगों को शुभकामनाएं देते हुए जीपीयू के विकास की कामना की। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर जोर देते हुए राज्यपाल ने अपर सुमिन से पाकिम तक सड़क निर्माण हेतु अधिकारियों से बात करने और सिक्किम में केसर खेती की प्रचुर संभावना से लोगों को अवगत कराया।

साथ ही उन्होंने स्वयं सेवा समूहों को आत्मनिर्भर बनने हेतु छोटे-छोटे गृह उद्योग पर ध्यान केंद्रित करते हुए आगे बढने के लिए प्रेरित किया। वहीं उपस्थित अधिकारियों से आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि वे शहर से बाहर निकल कर ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करें तथा सरकार की विभिन्न योजनाओं से ग्रामीणों को अवगत कराएं। तभी सिक्किम आगे बढ़ेगा, देश तरक्की करेगा।

इस दौरान राज्यपाल ने लोअर सुमिन सेकेण्डरी स्कूल को 3 लाख रुपये और पंचायत भवन के विकास कार्य हेतु 2 लाख रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान किया।

वहीं इस अवसर पर सिक्किम कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन के सहयोग से राज्य के पशुपालन व पशु चिकित्सा विभाग द्वारा 8 रुपये प्रति लीटर सरकारी दुग्ध प्रोत्साहन राशि वितरण योजना के आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने सुमिन नामचेबोंग क्षेत्र के कुल 647 किसानों में 29,59,561 रुपये प्रदान किये। वहीं पाकिम जिले में भी इस योजना के अंतर्गत 79,86,649 रुपये प्रदान किये गये।

इस अवसर पर स्वयं सेवा समूह द्वारा राज्यपाल को जैविक सब्जियां भेंट की गईं। प्रथम बार गांव में राज्यपाल के दौरे से ग्रामवासियों ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम का समापन रंगारंग सांस्कृतिक आयोजन के साथ हुआ।

सिक्किम ओलम्पिक एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने की सीएम से मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 जून । अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस के उपलक्ष्य पर सिक्किम ओलम्पिक एसोसिएशन के अध्यक्ष कुबेर भंडारी, पूर्व ओलम्पियन, अर्जुन पुरस्कार विजेता तथा एसओए के महासचिव जसलाल प्रधान और सिक्किम बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर आरबी विश्वकर्मा ने आज स्थानीय मिंतोकगांग स्थित सरकारी आवास पर मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने इसी वर्ष मार्च में अम्मान, जॉर्डन में आयोजित हुए एशियाई युवा जूनियर बॉक्सिंग प्रतियोगिता के 54 किग्रा. वर्ग में कांस्य पदक विजेता पहले सिक्किमी युवक जयंत डागर से भी मुलाकात की। इस दौरान जयंत डागर के पिता अर्जुन कुमार डागर और माता श्रीमती सुषमा रेणु सुब्बा भी मौजूद थे। यहां मुख्यमंत्री ने ओलम्पिक एसोसिएशन तथा टीम के सदस्यों की प्रशंसा की और कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी एवं युवाओं का उत्साहवर्द्धन किया। उन्होंने कहा कि यह एक अनंत सम्भावनाओं वाली यात्रा की शुरुआत है तथा सफलता की ऊंचाई तक पहुंचने के लिये इस पथ पर दृढ़ रहना चाहिये।

उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस का थीम शांति के लिये चलना है और इस वर्ष यह दिवस शांति स्थापना की दिशा में लोगों को एकजुट कर आगे बढने की दिशा में खेलों की शक्ति को समर्पित है।

खेलों के विकास के लिए सिक्किम सरकार प्रतिबद्ध : सांसद सुब्बा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 जून । 'शांतिपूर्ण विश्व हेतु एकजुटता' के थीम के साथ गंगटोक के पाल्जोर स्टेडियम में आज सिक्किम ओलम्पिक एसोसिएशन द्वारा अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लोक सभा सांसद इंद्रहांग सुब्बा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके अलावा समारोह में सिक्किम ओलम्पिक एसोसिएशन के अध्यक्ष कुबेर भंडारी, अर्जुन पुरस्कार विजेता एवं एसओए के महासचिव जस लाल प्रधान के अलावा राज्य के सभी अधिकृत खेल संघों के अधिकारीगण, खिलाड़ी एवं प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत में ही राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) का संदेश पढ़कर सुनाया गया जिसमें उन्होंने विगत वर्षों में ओलम्पिक समेत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में सिक्किम का प्रतिनिधित्व करने एवं अनुशासन प्रदर्शित करने वाले सभी खिलाडियों को प्रोत्साहित करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इसके बाद राज्य के खेल व युवा मामलों के मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा का संदेश पढ़ कर सुनाया गया जिसमें उन्होंने रंगभेद, जातिभेद एवं धर्म की विभिन्नताओं के बावजूद राष्ट्रीय एकता के बढ़ावे हेतु खेलों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार सूबे के खिलाडियों को सभी सुविधाएं मुहैया कराने को प्रतिबद्ध है और साथ ही सभी खिलाड़ियों को पूरी मेहनत एवं कोशिश के साथ राज्य एवं देश का नाम गौरवान्वित करने हेतु प्रोत्साहित किया।

वहीं समारोह को सम्बोधित करते हुए सांसद इंद्रहांग सुब्बा ने राज्य में खेल संस्कृति के बढ़ावे तथा खिलाडियों के सहयोग हेतु बेहतरीन भूमिका हेतु सिक्किम ओलम्पिक एसोसिएशन की सराहना की। उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को उल्लेखनीय प्रदर्शन हेतु बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं राज्य में खेलों के बुनियादी ढांचों के निर्माण एवं

खेल क्षेत्र के संस्थागत करने और प्रोत्साहन हेतु राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए सांसद सुब्बा ने राज्य सरकार के निरंतर सहयोग से सिक्किम को एक राष्ट्रीय खेल केंद्र बनाने की दिशा में सभी से मिल कर काम करने का आह्वान किया। वहीं उन्होंने सभी एथलीटों से अपने क्षेत्रों में नयी ऊंचाई प्राप्त करने हेतु सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और युवाओं से खेल को करियर के तौर पर अपनाने हेतु प्रोत्साहित भी किया।

उल्लेखनीय है कि पालजोर स्टेडियम के इंडोर हॉल में आयोजित हुए इस समारोह में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, बॉक्सिंग, ताइक्वांडो, कराटे, किक बॉक्सिंग, वुशु, कबड्डी, शतरंज, भारोत्तोलन तथा बास्केट बॉल के प्रदर्शनी मैच भी खेले गये। वहीं एसओए की ओर से राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं को सम्मानित भी किया गया।

इससे पहले, खेल व युवा मामलों के मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा ने अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस पर केक कटिंग समारोह और सिक्किम ओलम्पिक एसोसिएशन द्वारा एसटीएनएम अस्पताल के ब्लड बैंक के सहयोग से पालजोर स्टेडियम के सभागार में आयोजित एक रक्तदान शिविर में शिरकत की। कार्यक्रम में स्वागत भाषण एसओए अध्यक्ष कुबेर भंडारी एवं धन्यवाद ज्ञापन एसओए महा सचिव जसलाल प्रधान ने दिया।

सीएम ने की सच्चिदानंद विश्वकर्मा से मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 जून । मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने आज रेनॉक (पाकिम जिला) के श्री लोक बहादुर विश्वकर्मा के पुत्र श्री सच्चिदानंद विश्वकर्मा से उनके आधिकारिक आवास मिंतोकगांग में मुलाकात की और उन्हें एनडीए की परीक्षाओं को सफलतापूर्वक पास करने के लिए बधाई दी।

उन्होंने इसमें 291 अखिल भारतीय रैंकिंग हासिल की है। सीएम ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनके सभी शैक्षणिक खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किए जाएंगे और उन्हें नई यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

सहकार भारती को राज्य पंजीकरण मिलने पर सीएम ने प्रकट किया आभार

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 जून । सहकारी समितियों के सशक्तिकरण हेतु गठित राष्ट्रव्यापी संस्था सहकार भारती की सिक्किम इकाई का गत 16 जून 2022 को राज्य सरकारी पंजीकरण प्राप्त होने पर संगठन की ओर से मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के प्रति आभार व्यक्त किया गया है।

संगठन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार 1978 में स्थापित सहकार भारती पिछले 44 वर्षों से सफलतापूर्वक अपनी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से देश में सहकारी समितियों के सशक्तिकरण का कार्य कर रही है। देश के सभी राज्यों के जिलों एवं शहरों में इसकी शाखाएं हैं।

इसी कड़ी में 26 अक्टूबर 2019 को सिक्किम कल्याण आश्रम रानीपुल में 21 सदस्यों एवं तीन एडहॉक सदस्यों के साथ सहकारी भारती सिक्किम इकाई की शुरुआत हुई थी। उसके बाद 2021 में 9 एवं 10 मार्च को सहकारी भारती सिक्किम इकाई द्वारा असम लिंजे स्थित एसआईसीयूएन ऑडिटोरियम में राज्यस्तरीय कन्वेंशन का सफल आयोजन किया गया। इसमें सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद मुख्य अतिथि और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे थे।

वहीं कन्वेंशन के दूसरे दिन संगठन के राष्ट्रीय नेता की उपस्थिति में स्टेट एग्जेक्यूटिव कमिटी का गठन किया गया।

आगामी तीन वर्षों के लिये निर्वाचित इस कमिटी में मंगलजीत राई को अध्यक्ष, एलपी काफ्ले को महासचिव और ग्याल्पो तमांग को आयोजक सचिव चुना गया। इसके बाद ही सहकार भारती सिक्किम इकाई के पंजीकरण हेतु आवेदन किया गया और 16 जून 2022 को क्र. सं. 3227, वोल्यूम सं. 1 के अनुसार संगठन को राज्य सरकारी पंजीकरण प्राप्त हो गया। ऐसे में सहकार भारती सिक्किम इकाई के समय से पंजीकरण करने हेतु संगठन की ओर से सिक्किम सरकार एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया गया है।

संगठन की ओर से बताया गया है कि उनके मुख्य उद्देश्यों में आमलोगों में सहकारी समितियों के फायदों के बारे में बताना, लोगों को जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न सहकारी समितियों के गठन हेतु प्रोत्साहित करना, मौजूदा सहकारी समितियों का मार्गदर्शन करना, सरकारी सहकारिता विभाग, राज्य व केंद्र सरकार, आरबीआई तथा ऐसे ही अन्य प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों से सम्बंधित कार्यों में सहकारी समितियों की सहायता करना और सामाजिक-आर्थिक तथा सहकारिता के क्षेत्र में विभिन्न मसलों पर शोध आयोजन तथा इसके लिये प्रोत्साहन प्रदान करना है।

मुख्य सचिव ने की विभाग प्रमुखों के साथ बैठक की अध्यक्षता

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 जून । मुख्य सचिव एससी गुप्ता ने आज यहां ताशीलिंग सचिवालय में राज्य सरकार के सभी विभागों के प्रमुखों की बैठक की अध्यक्षता की।

यह बैठक धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में मुख्य सचिवों के हालिया तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन और राज्य के हित के अन्य मुद्दों के दौरान हुई विचार-विमर्श के अनुरूप थी। राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य सचिव एस.सी. गुप्ता ने भाग लिया था।

मुख्य सचिव ने तीन दिवसीय सम्मेलन के परिणाम पर प्रकाश डाला और प्रभावी शासन के लिए अपने सुझाव रखे। उन्होंने देश के पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य तक पहुंचने के तरीकों की कल्पना करने के प्रधानमंत्री के संदेश पर जोर दिया।

मुख्य सचिव ने आकांक्षी जिले द्वारा की गई प्रगति का विशेष उल्लेख करते हुए सभी विभागों के समग्र प्रदर्शन की सराहना की। कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए विभागाध्यक्षों ने अपने सुझाव रखे। निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कुशलतापूर्वक और समन्वित तरीके से काम करने के संकल्प के साथ बैठक समाप्त हुई।

राज्यपाल ने बलिदान दिवस पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को किया याद

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 जून । सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनके बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की । उन्हें याद करते हुए राज्यपाल ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक कुशल राजनीतिज्ञ थे। वे भारतीय राजनीति के उत्कृष्ट लोकतांत्रिक मूल्यों से सुसज्जित राजनेता थे। देश की एकता और अखंडता को बरकरार रखने में उनका योगदान अतुलनीय है।

कांग्रेस ने मोदी सरकार और ईडी को लिया आड़े हाथ, कहा- प्रवर्तन निदेशालय केंद्र से निर्देश लेने में बिजी

नई दिल्ली, 23 जून (एजेन्सी)। कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियां केंद्र सरकार पर आए दिन केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाती रहती हैं। इसी क्रम में गुरुवार को कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने केंद्र सरकार पर हमला किया। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा आरोपों से बचने के लिए सस्ती चालों का सहारा लेती है। वे पहले भी आरोप लगाते रहे हैं कि सभी केंद्रीय एजेंसियां सरकार के हाथों में सिमट गई हैं। उन्होंने कहा कि ईडी जैसी एक बार प्रतिष्ठित एजेंसी केंद्र सरकार द्वारा लागू निर्देश लेने में व्यस्त है।

उन्होंने ईडी और केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि श्रीलंकाई राज्य के स्वामित्व वाले सीलोन इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड के अध्यक्ष ने एक संसदीय पैनल के समक्ष दावा किया कि भारत के प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे पर अडानी समूह को एक पवन ऊर्जा परियोजना देने का दबाव डाला। उन्होंने कहा कि हमारे देश के इतिहास में शायद यह पहली और एकमात्र घटना है कि किसी पीएम के खिलाफ इस तरह के आरोप लगाए गए हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता ने इसके बाद कई सवाल पूछे। उन्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री एक निजी व्यक्ति को अनुचित लाभ क्यों देना चाहते थे? एक निजी व्यक्ति के लिए बिक्री एजेंट के रूप में कार्य करके प्रधान मंत्री ने भारत के गौरव को कम क्यों किया? उसकी क्या मजबूरी थी? ईडी और अन्य एजेंसियां इस सूचना पर क्यों सो रही हैं? गौरतलब है कि इसका लंका सरकार के साथ-साथ अदानी समूह ने भी खंडन किया है।

कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में ईडी द्वारा राहुल गांधी को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया। यह उनकी प्रतिष्ठा को खराब करने के लिए सरकार के इशारे पर किया जा रहा है। यह केवल राजनीतिक स्टंट है और कुछ नहीं।

उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में भाजपा सरकार के दावों का पर्दाफाश हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सभी केंद्रीय एजेंसियां सरकार के हाथों के मोहरे में सिमट कर रह गई हैं। ये सभी एजेंसियां केवल खुद का मजाक बनाने के लिए अपनी आंखों पर पट्टी बांधने के लिए कतार में लगी हुई हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि अब वे ईडी जैसी प्रतिष्ठित एजेंसी को प्रवर्तन निदेशालय नहीं बुला सकते... यह मोदी सरकार से 'लागू निर्देश' लेने में व्यस्त है। वल्लभ ने कहा कि ऐसे कई अन्य उदाहरण हैं जिनमें ईडी सहित केंद्रीय एजेंसियों द्वारा कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता है, लेकिन उन्होंने दूसरा रास्ता चुना है।

अग्निपथ स्कीम के लिए आवेदन करने वालों का करेंगे बहिष्कार, हरियाणा में खाप पंचायतों का ऐलान

रोहतक, 23 जून (एजेन्सी)। हरियाणा में सेना में भर्ती के लिए लाई गई अग्निपथ स्कीम का विरोध किसान आंदोलन जैसी राह पर बढ़ता दिख रहा है। हरियाणा की कुछ खाप पंचायतों के नेताओं ने अपील की है कि अग्निपथ स्कीम के तहत भर्ती के लिए आवेदन करने वालों का सामाजिक बहिष्कार किया जाए। यही नहीं खाप नेताओं ने भाजपा और जननायक जनता पार्टी के नेताओं के विरोध का भी आह्वान किया है। इसके अलावा स्कीम का सपोर्ट करने वाले कॉरपोरेट घरों के भी विरोध की अपील की गई है। बता दें कि आनंद महिंद्रा समेत कई कारोबारियों ने इस स्कीम का समर्थन किया है और अग्निवीर के तौर पर सेवामुक्त होने वाले युवाओं को नौकरी देने का भरोसा दिलाया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक बुधवार को हरियाणा के रोहतक जिले के सांपला कस्बे में खाप पंचायतों और कुछ अन्य समुदायों के नेताओं की बैठक हुई। इस बैठक में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों से आए नेता शामिल हुए। इसके अलावा कुछ छात्र संगठनों ने भी इसमें हिस्सा लिया। इस मीटिंग की अध्यक्षता करने वाले धनखड़ खाप के नेता ओपी धनखड़ ने कहा कि हम उन लोगों को समाज में अलग-थलग करने का प्रयास करेंगे, जो इस स्कीम के तहत नौकरी के लिए आवेदन करेगा। हम इस स्कीम का विरोध कर रहे हैं, जो अग्निवीर के नाम पर युवाओं को मजदूर बनाने की कोशिश है।

क्या इस स्कीम के तहत आवेदन करने वालों का बायकॉट किया जाएगा? इस सवाल पर धनखड़ ने कहा कि हम बायकॉट शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहते हैं, लेकिन उनसे सामाजिक दूरी रखी जाएगी। दरअसल सेना ने अग्निवीरों की भर्ती का नोटिफिकेशन

जारी कर दिया है और इसके लिए जुलाई से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएगा। योजना के मुताबिक अग्निवीर के तौर पर भर्ती होने वाले लोगों का कार्यकाल 4 वर्ष का होगा और उसके बाद 75 फीसदी को सेवामुक्त कर दिया जाएगा बाकी 25 फीसदी लोगों को नियमित सैनिक के तौर पर भर्ती किया जाएगा।

हालांकि सेवामुक्त होने वाले 75 फीसदी सैनिकों एक प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। जिसके आधार पर तमाम सरकारी सेवाओं और अर्ध सैनिक बलों की भर्तियों में उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार की ओर से इन ऐलानों के बाद भी यूपी, बिहार, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में इस स्कीम का विरोध हो रहा है।

वसूली करने गए नायब तहसीलदार और राजस्व कर्मियों को ग्रामीणों ने दौड़ाया

मैनपुरी, 23 जून (एजेन्सी)। कुर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़ीकोडर में वसूली करने गई राजस्व और बैंक की टीम पर ग्रामीणों ने हमला बोल दिया। टीम पर पथराव किया गया तो टीम के सदस्यों ने भागकर अपनी जान बचाई। घटना की जानकारी पाकर पहुंची कुर्रा पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तहसील करहल के संग्रह अमीन की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा और हमला करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

घटना गुरुवार की दोपहर बाद की है। आर्यावर्त बैंक कुर्रा के शाखा प्रबंधक मनीष कुमार, नायब तहसीलदार करहल अविनाश कुमार, संग्रह अमीन विजयकांत पांडेय आदि की टीम गढ़ीकोडर गांव में 7 लाख 20 हजार रुपये की आरसी की वसूली करने गई थी। टीम को देखकर ग्रामीण जमा हो गए। टीम आरोपी सुखवीर के घर पहुंची तो ग्रामीणों के साथ आरोपियों ने टीम पर हमला बोल दिया। पथराव शुरू कर दिया गया। जमकर गाली-गलौज भी की गई। पथराव हुआ तो टीम के सदस्यों ने भागकर अपनी जान बचाई।

बैंक मैनेजर मनीष कुमार ने बताया कि सुखवीर के ऊपर 7.20 लाख रुपये बकाया है जिसकी आरसी तहसील से जारी करा दी गई है। कुर्रा क्षेत्र में लगभग 7 करोड़ की बकाएदारी है इसमें से 3.5 करोड़ की आरसी जारी कराई गई है। टीम के साथ वे वसूली करने गए थे जहां पथराव किया गया। कुर्रा थाना प्रभारी कैलाश बाबू ने बताया कि पुलिस ने मौके पर जाकर दो आरोपी राहुल और राजू को हिरासत में लिया है, इनसे पूछताछ की जा रही है। जल्द अन्य आरोपी भी पकड़े जाएंगे।

वी ने पश्चिम बंगाल में उच्चतम अपलोड गति दर्ज की

सिलीगुड़ी, 23 जून । टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया-टीआरएआई द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वी दिसंबर 2021 से मई 2022 तक के बीच छह महीने की अवधि के लिए पश्चिम बंगाल में 4 जी प्रदाताओं के बीच 24.3 मेगाबिट प्रति सेकंड की उच्चतम औसत डेटा डाउनलोड गति देने में शीर्ष स्थान पर उभरा है। वी ने इसी अवधि के लिए पश्चिम बंगाल में 8.5 मेगाबिट प्रति सेकंड की उच्चतम अपलोड गति भी दर्ज की।

डाउनलोड गति उपभोक्ताओं को इंटरनेट से कंटेंट तक पहुंचने में मदद करती है, जबकि अपलोड गति उन्हें अपने संपर्कों के साथ डेटा भेजने या चित्र या वीडियो साझा करने में मदद करती है। औसत गति की गणना टीआरएआई द्वारा वास्तविक समय के आधार पर अपने माईस्पीड एप्लिकेशन की मदद से पूरे भारत में एकत्र किए गए डेटा के आधार पर की जाती है।

एक्सॉनमोबिल का नेक्स्ट-जेन सिंथेटिक पैसेंजर व्हीकल लुब्रिकेंट

गंगटोक, 23 जून । एक्सॉनमोबिल लुब्रिकेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ने अपने नेक्स्ट-जेन के पैसेंजर व्हीकल लुब्रिकेंट्स - 'मोबिल सुपर' को नए, बेहतर पैकेजिंग में ताज़ा लेबल के साथ लॉन्च करने की घोषणा की।

बेहतर पैकेजिंग उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की प्रामाणिकता को सत्यापित करने के लिए बोतलों पर एक नया क्यूआर-कोड-आधारित नकली-विरोधी सुविधा प्रदान करती है। एक्सॉनमोबिल ने अपनी मोबिल सुपर 3000 सीरीज का नाम बदलकर मोबिल सुपर ऑल-इन-वन प्रोटेक्शन सीरीज़, मोबिल सुपर 1000 सीरीज़ को मोबिल सुपर फ्रिक्शन फाइटर सीरीज़ और मोबिल सुपर एचपी को मोबिल सुपर एवरीडे प्रोटेक्शन के रूप में बदल दिया है। यह नेक्स्ट-जेन का सिंथेटिक पैसेंजर व्हीकल लुब्रिकेंट बेहतर तकनीक प्रदान करता है जो नवीनतम बीएस-VI विनिर्देशों को पूरा करता है और अपनी मोबिल सुपर ऑल-इन-वन प्रोटेक्शन सीरीज के साथ ईंधन अर्थव्यवस्था लाभ प्रदान करता है। मोबिल सुपर फ्रिक्शन फाइटर सीरीज बेहतर इंजन वियर प्रोटेक्शन और सफाई मुहैया कराती है। एक्सॉनमोबिल अपने टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ब्रांड एंबेसडर, पद्म श्री नीरज चोपड़ा को बदलाव के बारे में बताने के लिए उपयोग कर रहा है।

एक्सॉनमोबिल के इंजन ऑयल को 150 से अधिक वर्षों के लुब्रिकेशन अनुभव का समर्थन प्राप्त है और 2008 से सिंथेटिक इंजन तेलों के बीच एक विश्वव्यापी लीडर के रूप में पहचाना गया है। यह मोबिल कार केयर आउटलेट्स, मोबिल रिटेल स्टोर्स और अमेजन इंडिया और लिपकार्ट जैसे प्रमुख ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। एक्सॉनमोबिल लुब्रिकेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ विपिन राणा ने कहा, नई मोबिल सुपर रेंज हमारे उपभोक्ताओं के लिए बेहतर ईंधन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी और उनके दैनिक ड्राइव के लिए एक बेहतर अनुभव प्रदान करेगी।

सत्येंद्र जैन और नवाब मलिक को बर्खास्त करने के लिए याचिका, सीजेआई करेंगे सूचीबद्धता पर फैसला

नई दिल्ली, 23 जून (एजेन्सी)। जेल में बंद दिल्ली की आप सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन व महाराष्ट्र के नवाब मलिक को बर्खास्त करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि इस याचिका को प्रधान न्यायाधीश की पीठ के समक्ष रखा जाएगा। इसके बाद यह सूचीबद्ध होगी।

मंत्री जैन व मलिक को अलग अलग आपराधिक मामलों में गिरफ्तार किया गया। दोनों नेता अभी न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं। गुरुवार को मामले को अर्जेंट सुनवाई की मांग करते हुए अवकाशकालीन पीठ के जस्टिस सीटी रविकुमार और सुधांशु धुलिया के समक्ष उल्लेखित किया गया था।

यह पीआईएल अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने वकील अश्विनी कुमार दुबे के माध्यम से दायर की है। दायर की है। इसमें मांग की गई है कि दिल्ली व महाराष्ट्र सरकार को दोनों मंत्रियों को बर्खास्त करने का निर्देश दिया जाए। याचिका

में कहा गया है कि एक मंत्री न केवल एक लोक सेवक है, बल्कि एक विधायक भी है। उसे आईएएस अधिकारियों व अन्य लोक सेवकों की तरह दो दिनों की न्यायिक हिरासत के बाद पद से अस्थायी रूप से हटा दिया जाना चाहिए।

उपाध्याय ने याचिका की अर्जेंट सुनवाई का आग्रह करते हुए कहा कि यह मामला संविधान के अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) का गंभीर उल्लंघन है। सुनवाई कर रही पीठ ने कहा कि याचिका पर संभवत: अगले सप्ताह सुनवाई हो सकती है। ऐसे मामले पहले सीजेआई के समक्ष पेश किए जाएंगे उसके बाद ही इन्हें सूचीबद्ध किया जाता है।

इसी याचिका में सुप्रीम कोर्ट से यह भी कहा गया है कि वह संविधान की संरक्षक होने के नाते अनुच्छेद 14 का लोक सेवकों के सही संदर्भ में पालन करने के प्रबंध के लिए विधि आयोग को निर्देश दे कि वह चुनाव कानूनों का परीक्षण करे। मंत्रियों, विधायकों व लोकसेवकों की गरिमा कायम रखने के लिए विधि आयोग को व्यापक रिपोर्ट तैयार करने को कहा जाना चाहिए।

ईडी ने सत्येंद्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग केस में 30 मई को गिरफ्तार किया था। इसी तरह महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक को 23 फरवरी को ईडी ने गिरफ्तार किया था। उन्हें डी कंपनी की संपत्तियों की खरीदी से जुड़े केस में गिरफ्तार किया गया है।

कुमारी शैलजा और अभिषेक सिंघवी को हाईकमान से 'इनाम', सीडब्ल्यूसी में एंट्री

नई दिल्ली, 23 जून (एजेन्सी)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा और पार्टी के प्रमुख कानूनी विशेषज्ञ अभिषेक सिंघवी को ताजा फेरबदल में पार्टी की शीर्ष कार्यकारी निकाय कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) में शामिल किया गया है। शैलजा को हरियाणा से राज्यसभा सीट से चूकने के बाद सीडब्ल्यूसी में शामिल किया गया है, जबकि शीर्ष समिति में सिंघवी की एंट्री नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस में कांग्रेस की भविष्य में होने वाली कानूनी लड़ाई के मद्देनजर की गई है।

इसके अलावा आंध्र प्रदेश के पूर्व सांसद टी सुब्बारामी रेड्डी को भी सीडब्ल्यूसी का स्थायी सदस्य बनाया गया है और यूपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है।

अभिषेक सिंघवी को कांग्रेस कार्यसमिति में एंट्री अन्य प्रमुख कानूनी विशेषज्ञ कपिल सिब्बल के अलगाव के बाद हुआ है, जिन्होंने समाजवादी पार्टी की मदद से एक स्वतंत्र सदस्य के रूप में राज्यसभा में लौटने के लिए पार्टी छोड़ दी थी। सिंघवी की सीडब्ल्यूसी में एंट्री इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस पार्टी के दो शीर्ष नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की पूछताछ का सामना कर रहे हैं।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, 'सीडब्ल्यूसी में शैलजा को शामिल करना हरियाणा में सत्ता समीकरणों को संतुलित करने का एक प्रयास है, मुख्य रूप से भूपिंदर हुड्डा और शैलजा के बीच सामंजस्य स्थापित करना। हुड्डा हरियाणा में निशाना साध रहे हैं। उनके बेटे दीपेंद्र हुड्डा राज्यसभा सांसद हैं। इसलिए, शैलजा को सीडब्ल्यूसी के सदस्य के रूप में समायोजित करना आवश्यक था।

कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश के पूर्व सांसद टी सुब्बारामी रेड्डी को भी सीडब्ल्यूसी का स्थायी सदस्य घोषित किया है, जबकि उत्तर प्रदेश के पूर्व पार्टी प्रमुख अजय कुमार लल्लू को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के तीन अन्य नेताओं राजीव शुक्ला, प्रमोद तिवारी और इमरान प्रतापगढ़ी को नामांकित किए जाने के बावजूद अजय कुमार लल्लू राज्यसभा में जाने से चूक गए थे।

कार्टून नेटवर्क की 'रेड्राइंग इंडिया' पहल

दार्जिलिंग, 23 जून । बच्चों के मनोरंजन चौनल कार्टून नेटवर्क ने एक नई 'रेड्राइंग इंडिया' पहल शुरू की है। प्रसिद्धी सिंह, हेमेश चडालवाड़ा, रिधिमा पांडे, श्रवण सेवा, जानवी जिंदल और ब्रिशांत राय इन छह बच्चों को पूरे भारत से कार्टून नेटवर्क द्वारा चुना गया था क्योंकि वे एक समय में परिवर्तन और नवाचार का नेतृत्व कर रहे थे। संगीत और पर्यावरण से लेकर खेल और प्रौद्योगिकी तक, ये प्रेरक युवा दिमाग बाधाओं को तोड़ रहे हैं, सपनों को फिर से परिभाषित कर रहे हैं और अपने साहसिक और परिभाषित कार्यों के लिए राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर पहचाने जाते हैं।

भारत को फिर से चित्रित करने की उनकी अनूठी और समान रूप से विविध कहानियों को कार्टून नेटवर्क के सोशल प्लेटफॉर्म - इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब पर एक वीडियो श्रृंखला के माध्यम से प्रदर्शित किया जाता है। 'रेड्राइंग इंडिया' सीरीज़ मई में पहले लॉन्च किए गए 'रीड्रा योर वर्ल्ड' एंथम के लोकाचार को और मजबूत करती है जो संगीत के माध्यम से बच्चों की व्यक्तित्व और विविधता का जश्न मनाती है। कार्टून नेटवर्क एक रोमांचक टैलेंट शोकेस में माता-पिता को आमंत्रित कर रहा है कि वे अपने बच्चों की दुनिया को फिर से चित्रित करते हुए उनकी तस्वीरें और वीडियो साझा करें।

कार्टून नेटवर्क के प्रिय पात्र एकन्स, टॉम एंड जेरी, वी आर बियर्स और ग्रिज़ी एंड द लेमिंग्स भी पीछे नहीं हैं। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर #टूनसकेदुनिया सीरीज के जरिए वे अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा की झलक दे रहे हैं। माता-पिता @कार्टूननेटवर्कइंडिया को टैग करके और रुरीड्रायोरवर्ल्ड का उपयोग करके अपने बच्चों की प्रतिभा को साझा कर सकते हैं।

बीमारियों खिलाफ में 1 जुलाई से बड़ा अभियान, सीएम योगी- सब विभाग मिलकर करें काम

लखनऊ, 23 जून (एजेन्सी)। इंसेफेलाइटिस, डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया और कालाजार जैसी संक्रामक बीमारियों के खिलाफ यूपी में 1 जुलाई से बड़ा अभियान चलेगा। इसमें स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ कई अन्य सम्बन्धित विभाग अपना योगदान देंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को टीम-9 के साथ बैठक के बाद इस बारे में विस्तृत रूप से कार्ययोजना सामने रखी। उन्होंने कहा कि सभी विभागों को मिलकर इस अभियान को सफल बनाना होगा।

सीएम ने बताया कि पहले प्रदेश के 38 जिलों तक अभियान सीमित था लेकिन प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग बीमारियों के प्रकोप को देखते हुए पूरे प्रदेश को इसमें शामिल कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि इंसेफेलाइटिस के लिहाज से कुशीनगर से सहारनपुर तक, डेंगू के लिहाज से मथुरा-फिरोजाबाद-आगरा-कानपुर-लखनऊ, मलेरिया के लिहाज से बरेली और आसपास, कालाजार के लिहाज से वाराणसी और आसपास के जनपद और चिकन गुनिया के लिहाज से बुंदेलखंड का क्षेत्र संवेदनशील है। किसी न किसी रूप में पूरा प्रदेश कम या ज्यादा रूप में इन बीमारियों से प्रभावित है। बीमारी बढ़ती तब है जब हम कम की अनदेखी और लापरवाही करते हैं। इसीलिए हमने तय किया है कि पूरे प्रदेश में अभियान चलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पहली जुलाई से हर जिला, तहसील, ब्लॉक मुख्यालय पर, हर नगर निकाय, हर सार्वजनिक स्थान जैसे चिकित्सालय आदि पर सूचना विभाग, स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर बड़े-बड़े होर्डिंग लगाएगा। संचारी रोगों में कौन-कौन सी बीमारियां हैं। कौन-कौन सी सावधानियां बरती जानी हैं। इन सब की जानकारी इन होर्डिंग्स पर होगी।

सीएम योगी ने कहा कि इंसेफेलाइटिस से हर साल प्रदेश में करीब 2000 मौतें होती थीं। ये मौतें 40 वर्षों से होती थीं। अब ये मामले न के बराबर रह गए हैं। संचारी रोगों की रोकथाम में सर्विलांस का भी महत्व है। प्रदेश में इंसेफेलाइटिस ट्रीटमेंट सेंटर बने, मिनी पीकू, पीकू बनाए गए। स्वच्छता, सेनेटाइजेशन पर जोर दिया गया। हर घर में शौचालय बनाए गए। शुद्ध पेयजल आपूर्ति के

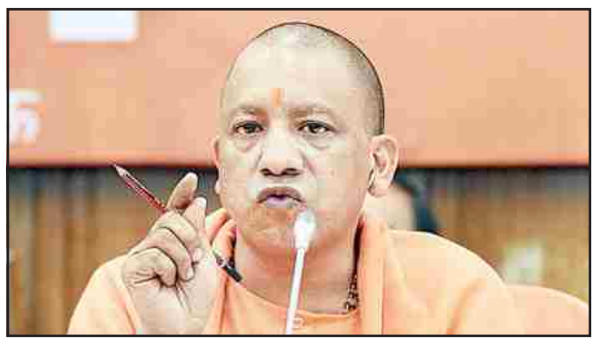

कार्यक्रम चले। इन सब प्रयासों से बीमारी पर काबू पाया गया।

उन्होंने कहा कि जहां पर शुद्ध पेयजल नहीं भी है वहां भी हम बोल सकते हैं कि बच्चे आएं तो पानी उबाल कर ठंडा होने के बाद छानकर ही पीने को दें। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में यदि लोग रात में हैंडपंप का पानी बर्तन में रख देंगे तो सुबह तक पानी के नीचे पूरी सतह बन जाती है। हैवी वॉटर है। ऐसे इलाकों में भी पानी छान कर पीयेंगे तो ज्यादा अच्छा होगा। आवश्यक नहीं कि हर जगह आरओ या ट्रीटमेंट ख्लांट लगा होगा। हम शैलो हैंडपंप हटाने की बात करते हैं लेकिन उसका विकल्प क्या दे रहे हैं। जरूरी है कि तत्काल विकल्प दें नहीं है तो पानी उबाल कर ही पीने को लोगों से बोलें।

करण जौहर के साथ ब्रिटानिया का नया अभियान

सिलीगुड़ी, 23 जून । ब्रिटानिया ने #कॉफीकाबेटरहाफ दुविधा को हल किया जो व्यापक रूप से फैले हुए व्यामोह और बहुत अधिक प्रत्याशा का कारण बन रही थी। ब्रिटानिया ने बिल्कुल नया ब्रिटानिया बिस्कैफे लॉन्च किया, जो एक कॉफी के स्वाद वाला क्रैकर है जो आपके कॉफी पीने के अनुभव को बढ़ाता है। समृद्ध कॉफी के स्वाद के साथ और चीनी के साथ छिड़का हुआ, यह सुपर पतला, हल्का और कुरकुरा बिस्किट कॉफी प्रेमियों को उनके कप्पा का सही साथी प्रदान करता है।

ब्रिटानिया ने करण जौहर उर्फ केजो के एक 'लीक वीडियो' के साथ अभियान की शुरुआत की, जो सबसे विचित्र, फैशनेबल निर्देशकों में से एक हैं, जिनका कॉफी के साथ एक मजबूत संबंध है। वीडियो में करण को अपना आपा खोते हुए दिखाया गया है, क्योंकि उसे अपने पसंदीदा कप कॉफी से वंचित कर दिया गया था क्योंकि कॉफी हड़ताल पर चली गई थी। सीरीज के अगले वीडियो में, करण को कॉफी को तीसरे पहिये की तरह व्यवहार किए जाने के आघात के साथ गहरी सहानुभूति थी और कॉफी को उसका बेटर हाफ खोजने की कसम खाई थी।

तीसरे वीडियो में करण जौहर कॉफी के लिए सही संगत पर अंतहीन सुझावों के माध्यम से फिल्टर कर रहे थे, संभावित जोड़ियों पर विचार-मंथन कर रहे थे और कॉफी के अधूरापन के दर्द को कम करने के लिए कई प्रभावशाली लोगों और नेटिज़न्स द्वारा एक साथ लाए गए इष्टतम लेवर प्रोफाइल को एक साथ लाया था। फिर करण ब्रिटानिया के प्रबंध निदेशक वरुण बेरी को फोन करते है और उससे कॉफी के लिए सही साथी खोजने के लिए कहता है। कॉफी की प्रचुरता वाला वेफर-थिन क्रैकर ब्रिटानिया द्वारा वर्तमान पीढ़ी के लिए नया ओजी क्रैकर बनने के लिए बनाया गया था।

10 रुपये से शुरू होकर, सभी नए बिसकैफे पैक पहले से ही मेट्रो बाजारों में सभी मानक प्राइस पोइंट पर विभिन्न पैक आकारों में उपलब्ध हैं। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के मुख्य विपणन अधिकारी, अमित दोशी ने कहा, हमने बिस्कैफे को पहले 'मेड इन इंडिया' कॉफी क्रैकर के रूप में विकसित किया है, जो एक गर्म कप कॉफी के साथ नाश्ते के रूप में काम करता है, जिससे कॉफी का अनुभव बेहतर होता है।

कोरोना से उबरने में सहयोग देगा बड़ा योगदान : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 23 जून (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के बारे में ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) का नजरिया काफी समान है, इसलिए सभी के बीच आपसी सहयोग कोविड-19 के नुकसान से उबरने में उपयोगी योगदान दे सकता है।

ब्रिक्स देशों के 14वें शिखर सम्मेलन को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि हालांकि वैश्विक स्तर पर महामारी का प्रकोप पहले की तुलना में कम हुआ है लेकिन इसके अनेक दुष्प्रभाव अब भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'वैश्विक अर्थव्यवस्था के बारे में हम ब्रिक्स सदस्य देशों का नजरिया काफी समान रहा है और इसलिए हमारा आपसी सहयोग 'पोस्ट कोविड रिकवरी' में उपयोगी योगदान दे सकता है।'

मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में ब्रिक्स में कई संस्थागत सुधार हुए हैं जिनसे इस संगठन की प्रभावशीलता बढ़ी है। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि 'न्यू डेवलपमेंट बैंक' की सदस्यता में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, 'ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां हमारे आपसी सहयोग से हमारे नागरिकों के जीवन को सीधा लाभ मिल रहा है।'

इस कड़ी में प्रधानमंत्री ने टीकों को लेकर शोध एवं विकास केंद्र की स्थापना, सीमा शुल्क विभागों के बीच समन्वय, साझा 'सेटेलाइट कंसल्टेशन' की व्यवस्था और फार्मा उत्पादों का पारंपरिक नियमितीकरण जैसे कदमों का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, 'इस तरह के व्यवहारिक कदम ब्रिक्स को एक अनूठा अंतरराष्ट्रीय संगठन बनाते हैं, जिसका फोकस सिर्फ बातचीत तक सीमित नहीं है।

ब्रिक्स युवा सममेलन, ब्रिक्स खेल और हमारे सिविल सोसायटी संगठनों और थिंक टैंक के बीच संपर्क बढ़ाकर हमने अपने लोगों के बीच संपर्क भी मजबूत किया है।'

प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि आज की चर्चा से ब्रिक्स देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के कई सुझाव सामने आएंगे। चीन इस साल ब्रिक्स सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहा है।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने इस शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की। सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शामिल हुए। इस शिखर सम्मेलन का विषय 'उच्च गुणवत्ता वाली ब्रिक्स साझेदारी को बढ़ावा देना, वैश्विक विकास के लिए एक नए युग की शुरुआत' है।

प्रदेश बीजेपी ने किया डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 जून । भारतीय जनता पार्टी, सिक्किम प्रदेश इकाई ने आज भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री डीबी चौहान, उपाध्यक्ष श्री सोनम वेंचुंग्पा, विधायक वाईटी लेख्रचा, उपाध्यक्ष श्री अर्जुन राई , महासचिव श्री सुदीप प्रधान प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। यह जानकारी प्रदेश भाजपा प्रवक्ता डा राजू गिरी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्री डीबी चौहान ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए डॉ. मुखर्जी के योगदान से उपस्थित कार्यकर्ताओं को अवगत कराया गया। डॉ. मुखर्जी स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग मंत्री भी थे। उन्होंने कहा कि मुखर्जी एक कट्टर राष्ट्रवादी नेता थे और नेहरू सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर को प्रदान किए गए अनुच्छेद 370 और 35ए के प्रावधानों के घोर विरोधी थे। उन्होंने यह भी कहा कि एक देश, एक झंडा, एक प्रधानमंत्री और एक संविधान की अवधारणा पर जम्मू-कश्मीर की अपनी यात्रा के दौरान पुलिस हिरासत में उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। भारतीय जनता पार्टी श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा स्थापित भारतीय जनसंघ के नीतिगत सिद्धांतों और लक्ष्यों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रवक्ता डॉ. राजू गिरी ने मुखर्जी के जीवन की विभिन्न घटनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने एक शिक्षक के रूप में उनके योगदान और हजारों वर्षों से भारतीय संस्कृति और सभ्यता पर जनसंघ की अवधारणा के बारे में बताया गया। गौरतलब है कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई, 1901 को कोलकाता में हुआ था, और 23 जून, 1953 को 51 वर्ष की आयु में जम्मू-कश्मीर की यात्रा के दौरान रहस्यमय तरीके से पुलिस हिरासत में उनकी मृत्यु हो गई। भारतीय जनता पार्टी हर साल 23 जून को बलिदान दिवस रूप में मनाती है।

बिहार में फिर डराने लगा कोरोना

पटना, 23 जून (का.सं.)। पटना में 57 सहित राज्य में 116 नये कोरोना संक्रमित मरीजों की पहचान गुरुवार को हुई। राज्य स्वास्थ्य समिति के अनुसार भोजपुर, दरभंगा, खगड़िया, मुंगेर, पूर्णिया, सहरसा, समस्तीपुर, सारण, सीतामढ़ी में 1-1, अरवल, बेगूसराय, किशनगंज व सीवान एवं दूसरे राज्यों से आए 2-2, बांका, भागलपुर, कैमूर में 3-3, कटिहार में 4, मुजफ्फरपुर में 5, रोहतास में 7 और गया में 15 नये कोरोना संक्रमित व्यक्तियों की पहचान की गयी।

राज्य में कोरोना संक्रमण की दर 0.07 प्रतिशत दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे में राज्य में 1 लाख 56 हजार 353 सैंपल की कोरोना जांच की गयी। एक दिन पूर्व 1 लाख 30 हजार 126 सैंपल की जांच में 126 नये संक्रमित मिले थे और संक्रमण दर 0.09 प्रतिशत दर्ज की गई थी। इस दौरान राज्य में 34 कोरोना संक्रमित मरीज स्वस्थ हो गए और संक्रमितों के स्वस्थ होने की दर 98.46 प्रतिशत दर्ज की गयी। इस दौरान राज्य में किसी भी संक्रमित की मौत नहीं हुई। वर्तमान में राज्य में 491 सक्रिय मरीज इलाजरत है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राज्य में अबतक कोरोना संक्रमित 8,31,610 संक्रमितों की पहचान की जा चुकी है और इनमें से 8,18,862 संक्रमित इलाज के बाद स्वस्थ हो चुके है। अबतक कोरोना संक्रमित 12,256 मरीजों की मौत हो चुकी है।

अपने ही वतन में कितनी जिल्लत से रह रहे हैं हम...वोट डालने जाते समय मीडिया पर भड़के आजम खान

रामपुर, 23 जून (एजेन्सी)। सपा के शहर विधायक आजम खां गुरुवार को मीडिया पर ही भड़क उठे। रजा डिग्री कालेज में वोट डालने पहुंचे मीडिया के सवाल पर वह भड़क गए। बोले-हम अपने ही वतन में कितनी जिल्लत और अपमान से जी रहे हैं, कितनी हम से घृणा की जाती है लेकिन कौन सुन रहा है। मीडिया ने भी आंखे बंद कर ली हैं। देश की बर्बादी में मीडिया का भी बहुत बड़ा हाथ है।

शहर विधायक गुरुवार की शाम को राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वोट डालने के लिए पहुंचे थे। वोट डालने के बाद उन्होंने मीडिया से बात करते हुए पुलिस द्वारा की जा रही बदसलूकी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बूथों के आगे और मुहल्लों में इतनी फोर्स लगा रखी है कि लोग डर के मारे बाहर नहीं निकल रहे हैं। पुलिस ने वोट डालने आ रही महिलाओं को थानों में बंद कर दिया है। थाने के थाने भरे हुए हैं।

पुलिस लोगों के साथ अभद्र व्यवहार कर रही है। ऐसे में वोटिंग प्रभावित हो रही है। सड़कों पर ऐसा लग रहा है कि कर्फ्यू जैसा लगा रखा हो। लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। उन्होंने शिकायत के सवाल पर कहा कि हमारी कौन सुन रहा है। मीडिया ने भी आंखे बंद कर ली हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि देश की बर्बादी में मीडिया का भी बहुत बड़ा हाथ है। दूसरी ओर सपा के शहर विधायक ने एक अन्य साक्षात्कार में टाइगर इज बैक के सवाल पर कहा: वो तो एक कहावत थी। बस यूं ही कह दी थी। वोट डालने पहुंचे आजम खान ने कहा, हमें हिन्दुस्तानी मान लें, वही मेरा सौभाग्य होगा। वोटिंग में अड़चन और उसके विरोध पर आजम खान ने कहा, हमे विरोध करने का कहां से अधिकार हो गया।

स्वार टांडा के विधायक अब्दुल्ला आजम खां ने कहा कि पुलिस आईडी होने के बाद भी वोट नहीं डालने दे दी रही है। आधार कार्ड के जरिए पुलिस वोट नहीं डालने दे रही है। उन्होंने इस शिकायत को चुनाव आयोग को भी ट्विट किया है। पुलिस ने खौफ का माहौल बनाया है। यही वजह है कि बूथों पर सन्नाटा पसरा हुआ है।

मुख्तार अंसारी पर योगी सरकार का शिकंजा, खातिरदारी के खुलासे के बाद बड़ा बदलाव

बांदा, 23 जून (एजेन्सी)। बांदा मंडल कारागार में बंद मऊ के पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की सुरक्षा-व्यवस्था में बदलाव किया गया है। अब हर महीने जेल वार्डर बदलेंगे जाएंगे, जो अलग-अलग जेलों से होंगे। आठ-आठ घंटे की तीन शिफ्ट में कुल 11 वार्डर सुरक्षा-व्यवस्था में लगाए जाते हैं। माना जा रहा है कुछ दिनों पहले खातिरदारी की घटना को संज्ञान में लेते हुए योगी सरकार ने यह बदलाव किया है।

मुख्तार अंसारी की खातिरदारी के खुलासे के बाद बांदा मंडल कारागार के डिप्टी जेलर और चार बंदीरक्षकों को निलंबित कर दिया गया था। अधिकारियों की छापेमारी में मुख्तार की बैरक में बड़ी मात्रा में आम, खजूर, कीवी जैसे फल पाए गए थे। जेल मैनुअल से अलग विशेष भोजन मिला था।

प्रभारी जेल अधीक्षक वीरेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि मुख्तार अंसारी की सुरक्षा-व्यवस्था के लिए पहले उन्नाव, प्रयागराज के नैनी और कानपुर से जेल वार्डर अल्टरनेट भेजे जाते थे। बीते दिनों हुई घटनाओं को ध्यान में रखते हुए आलाधिकारियों ने बदलाव किया है।

अब प्रदेशभर की जेल से वार्डर भेजे जाएंगे। बताया कि जैसे एक महीने सहारनपुर से 12 जेल वार्डर भेजे जाएंगे तो दूसरे महीने बरेली से भेजे गए जेल वार्डर की तैनाती होगी। हर माह अलग-अलग जेल से 12 वार्डर भेजे जाएंगे।

बताया कि तीन शिफ्ट में ड्यूटी चार्ट बना है। एक शिफ्ट में 11 बार्डर मुख्तार की तन्हाई बैरक के बाहर सुरक्षा में तैनात किए जाते हैं। इनमें चार वार्डर दूसरी जेलों के रहते हैं, जोकि बैरक के पास लगाए जाते हैं। सात वार्डर बांदा जेल के होते हैं, जिनकी ड्यूटी बैरक के ईद-गिर्द रहती है। प्रभारी जेल अधीक्षक ने बताया कि हर माह अलग-अलग जेल से 12 वार्डर भेजे जाएंगे। कुल 33 वार्डर की ड्यूटी का चार्ट 24 घंटे में बना है। इनमें 22 वार्डर बांदा जेल के रहते हैं। बताया कि बरेली जेल से डिप्टी जेलर दुर्गेश सिंह को भेजा गया है। मुख्तार अंसारी की सुरक्षा-व्यवस्था की जिम्मेदारी दुर्गेश सिंह की है। बताया कि पूरे जेल परिसर में कुल 48 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। इनमें 20 सीसीटीवी मुख्तार की तन्हाई बैरक पर निगरानी के लिए लगे हैं, जोकि सीधे लखनऊ स्थित कमांड ऑफिस से जुड़े हैं। वहां से भी सीसीटीवी के जरिए बैरक और मुख्तार पर निगरानी रखी जाती है।

सार्वजनिक स्थान पर हो बदसलूकी तभी लागू होगा एससी-एसटी ऐक्ट: कर्नाटक हाई कोर्ट

नई दिल्ली, 23 जून (एजेन्सी)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत जातिवादी दुर्व्यवहार सार्वजनिक स्थान पर होना चाहिए। इसी के साथ ही अदालत ने लंबित मामले को रद्द कर दिया है। बता दें कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि बेसमेंट में उसे जातिसूचक शब्द कहे गए थे। इस दौरान उसके सहकर्मी भी मौजूद थे। अदालत ने कहा कि बेसमेंट सार्वजनिक स्थान नहीं हो सकता।

कर्नाटक हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने 10 जून को अपने फैसले में कहा, 'उपरोक्त बयानों को पढ़ने से दो कारक सामने आएं- एक यह है कि इमारत का तहखाना सार्वजनिक स्थान नहीं था और दूसरा केवल वे लोग इसका दावा कर रहे हैं कि जो शिकायतकर्ता मोहन, भवन स्वामी जयकुमार आर नायर और शिकायतकर्ता के सहकर्मी हैं। नायर का आरोपी रितेश पियास से कंस्ट्रक्शन को लेकर विवाद था और उसने भवन निर्माण कार्य के खिलाफ स्टे ले लिया था।

जानकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता का आरोप है कि घटना साल 2020 की है। जब कथित तौर पर इमारत के कंस्ट्रक्शन के दौरान रितेश पियास ने मोहन के लिए तहखाने में जातिवादी शब्दों का इस्तेमाल किया। उस वक्त मौके पर पीड़ित और उसके सहकर्मी मौजूद थे। बता दें कि सभी मजदूरों को भवन मालिक जयकुमार आर नायर ने ठेके पर काम दिया था।

अदालत ने कहा, 'अपशब्दों का प्रयोग स्पष्ट रूप से सार्वजनिक स्थान पर नहीं किया गया है, इसलिए इसमें सजा का प्रावधान नहीं है।' इसके अलावा, मामले में अन्य कारण भी हैं, जो शिकायत पर संदेह पैदा करते हैं।

आरोपी रितेश पियास का भवन मालिक जयकुमार आर नायर से विवाद था और उसने भवन निर्माण के खिलाफ स्टे ले लिया था। इसलिए इसकी भी प्रबल संभावना है कि वह अपने कर्मचारी के सहारे आरोपी को निशाने पर ले रहा है।

हाई कोर्ट ने आगे कहा कि शिकायतकर्ता ने रितेश पर उसे चोट पहुंचाने के आरोप में धारा 323 के तहत कार्रवाई की मांग की है। हाई कोर्ट ने यह मांग भी यह कहते हुए खारिज कर दी कि मोहन के शरीर पर चोट के निशान साधारण खरोंच दिखाते हैं। इसमें रक्तस्राव का संकेत नहीं मिलता। इसलिए, साधारण खरोंच के निशान आईपीसी की धारा 323 के तहत अपराध नहीं हो सकते हैं।'

साथ ही निचली अदालत के समक्ष लंबित मामले को खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा, 'उपरोक्त तथ्यों के आधार पर जब अपराध के मूल तत्व ही गायब हैं, तो इस तरह की कार्यवाही को जारी रखने और याचिकाकर्ता पर आपराधिक मुकदमा पूरी तरह से अनुचित होगा, जिससे कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा।'

तेज प्रताप-ऐश्वर्या का होगा तलाक या रहेंगे साथ? 28 जून को काउंसलिंग

पटना, 23 जून (का.सं.)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और विधायक तेज प्रताप यादव और उनकी पत्नी ऐश्वर्या राय के तलाक मामला अब अपने आखिरी दौर में पहुंच चुका है। 28 जून को पटना हाई कोर्ट ने काउंसिलिंग के लिए तारिख मुकर्रर कर दी है। तेजप्रताप और ऐश्वर्या के बीच यह आखिरी मौका होगा जब वे एक दूसरे के आमने सामने आएंगे।

जानकारी के अनुसार हाईकोर्ट के डिवीजन बेंच में जस्टिस आशुतोष कुमार और जस्टिस जितेन्द्र कुमार ने मामले की सुनवाई के दौरान ही काउंसिलिंग के लिए 28 जून की तारिख मुकर्रर की है। बताया जा रहा है कि काउंसिलिंग के दौरान ही कोर्ट तेजप्रताप और ऐश्वर्या को आमने सामने बैठाकर उनकी राय जानेगी कि क्या वो दोनों साथ रहना चाहते हैं या नहीं। ऐश्वर्या का कहना है कि तेजप्रताप की कमाई कितनी है, इसका आंकलन सही तरीके से किया जाए। पिछली सुनवाई के दौरान ही ऐश्वर्या के वकील ने कोर्ट से ऐश्वर्या को गुजारा भत्ता के तौर पर 23 हजार रुपए से ज्यादा देने को कहा था।

गौरतलब है कि तेजप्रताप और ऐश्वर्या की शादी 12 मई 2018 को बड़े धूमधाम से हुई थी। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत कई बड़े नेताओं ने वर-वधू को आशीर्वाद दिया था। शुरूआती दिनों में तो दांपत्य जीवन बड़ा ही खुशहाल रहा लेकिन कुछ महीने बाद ही दोनों के रिश्ते में दरार आने लगी। फिर अचानक ही एक दिन तेज प्रताप ने पटना के फैमिली कोर्ट में तलाक लेने संबंधी आवेदन फाइल कर दिया था। तेजप्रताप के लिए इस फैसले ने सभी को चौंका दिया था।

ऐश्वर्या ने भी मीडिया के सामने रोते-बिलखते हुए लालू परिवार पर आरोपों की झड़ी लगा दी। उन्होंने कहा कि सास राबड़ी देवी ने दहेज के लिए काफी अत्याचार किया है। सभी ननदें ताने मारती थीं। यहां तक कि उन्होंने राबड़ी देवी, मीसा भारती और तेज प्रताप के खिलाफ घरेलू हिंसा का केस दर्ज करा दिया था। फिलहाल दोनों के बीच तलाक का मामला कोर्ट में चला रहा है जो कि अब अपने आखिरी दौर में है।

ईडी ने सोनिया गांधी को जुलाई के आखिरी में पेश होने के लिए कहा

नई दिल्ली, 23 जून (एजेन्सी)। नेशनल हेराल्ड केस के कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रहा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी जुलाई महीने के आखिरी में किसी भी समय पेश होकर अपना बयान दर्ज कराने को कहा है। सोनिया गांधी ने अपनी खराब सेहत की वजह से ईडी से आग्रह किया था कि उनकी पेशी की तारीख कुछ सप्ताह के लिए आगे बढ़ा दी जाए। ईडी ने उनके इस आग्रह को स्वीकार कर लिया। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को आज यानी 23 जून को पेश होना था।

सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी ने सोनिया गांधी से प्रस्तावित पूछताछ को चार सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया है और अब उनसे कहा गया है कि वह जुलाई महीने के आखिर में किसी समय पेश होकर अपना बयान दर्ज कराएं। कांग्रेस अध्यक्ष को ईडी ने 'नेशनल हेराल्ड' से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 23 जून को तलब किया था। कोविड-19 से जुड़ी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते उन्हें हाल ही में दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उन्हें सोमवार की शाम छुट्टी मिल गई थी।

इसी मामले में ईडी ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से पांच दिन में 50 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की व इस दौरान धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनके बयान दर्ज किए गए। अधिकारियों के अनुसार कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और गांधी परिवार से पूछताछ ईडी की जांच का हिस्सा है, ताकि 'यंग इंडियन' और 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' के हिस्सेदारी पैटर्न, वित्तीय लेन-देन और प्रवर्तकों की भूमिका को समझा जा सके।

यंग इंडियन के प्रमोटर्स और शेयरधारकों में सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी सहित कांग्रेस के कुछ अन्य सदस्य शामिल हैं। कांग्रेस का कहना है कि उसके शीर्ष नेताओं के खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार हैं तथा ईडी की कार्रवाई प्रतिशोध की राजनीति के तहत की जा रही है। उसने यह भी कहा कि पार्टी और उसका नेतृत्व झुकने वाले नहीं है।

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR VENUS THURSDAY

WEEKLY LOTTERY

Draw No:82 DrawDate on:23/06/22

1st Prize ₹1 Crore/- 80H 94743

(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize Rs.1000/- 94743 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

27408 27849 59132 65583 71978 73925 75171 84566 85506 94043

3rd Prize ₹450/-

0771 1931 2356 2606 3480 4340 4953 7250 7484 9682

4th Prize ₹250/-

0562 1231 2789 4073 5821 6925 8165 9110 9614 9732

5th Prize ₹120/-

0051 0297 0594 0679 0809 0980 1331 1422 1580 1687
1818 1932 2100 2116 2120 2210 2227 2384 2673 2812
2994 3013 3025 3121 3235 3415 3425 3427 3502 3522
3767 4089 4090 4160 4224 4268 4269 4421 4462 4640
4808 4857 4858 4883 4918 5186 5220 5460 5486 5491
5552 5628 5652 5684 5703 5746 5748 5829 5875 6052
6180 6354 6470 6526 6607 6687 6804 6896 6953 7012
7090 7121 7136 7176 7224 7225 7266 7571 7616 7657
8077 8133 8166 8305 8316 8526 8772 8797 8909 9050
9054 9055 9131 9135 9152 9169 9334 9524 9566 9950

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR PADMA MORNING

THURSDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:82 DrawDate on:23/06/22

1st Prize ₹1 Crore/- 45E 70259

(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize Rs.1000/- 70259 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

02838 12683 13402 28136 41411 54178 55366 61976 79242 84453

3rd Prize ₹450/-

0328 1406 1410 1416 1948 2525 4559 5811 6095 6102

4th Prize ₹250/-

1189 1969 2435 2972 4477 4757 5314 5730 7702 9967

5th Prize ₹120/-

0009 0101 0107 0278 0342 0357 0558 0600 0653 0719
0731 0891 0930 0985 1524 1552 1917 1974 1980 1994
2002 2030 2180 2194 2197 2268 2405 2543 2575 2760
2937 3027 3177 3270 3397 3418 3426 3523 3716 3742
3833 3863 4087 4234 4260 4326 4355 4370 4388 4626
5021 5029 5107 5144 5148 5194 5310 5476 5560 5605
5613 5628 6062 6237 6320 6356 6429 6677 6678 6818
6848 6988 7097 7361 7503 7555 7590 7603 7647 7666
7690 7751 7848 7953 7977 7981 8145 8149 8299 8538
8556 8613 8929 8931 8956 9505 9507 9553 9880 9932

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR FALCON EVENING

THURSDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:182 DrawDate on:23/06/22

1st Prize ₹1 Crore/- 76J 31524

(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize Rs.1000/- 31524 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

00570 10606 18178 35077 38546 42546 45727 58728 62673 80105

3rd Prize ₹450/-

1067 1284 1438 2706 4337 6108 6230 7126 8029 9771

4th Prize ₹250/-

1744 1888 3015 3129 3287 3844 4043 5764 5806 8080

5th Prize ₹120/-

0085 0248 0357 0359 0411 0700 1051 1116 1162 1201
1246 1461 1668 1779 1822 1824 1862 1979 2016 2024
2072 2150 2155 2235 2267 2401 2593 2599 2633 2907
2953 3014 3023 3099 3110 3209 3227 3325 3379 3598
3718 3762 3796 3801 3860 4021 4040 4065 4127 4255
4309 4349 4356 4361 4410 4430 4512 4771 4870 5070
5198 5287 5470 5608 5711 5796 6140 6152 6352 6572
6611 6858 6997 7203 7348 7668 7690 7729 7738 7746
7807 7845 8175 8292 8344 8386 8454 8747 8907 8975
9133 9208 9228 9242 9343 9612 9930 9962 9967 9984

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

संपादकीय पृष्ठ

संकट में उद्धव

उद्धव ठाकरे की अगुआई वाली महाराष्ट्र विकास आघाड़ी सरकार का संकट टलने के कोई आसार नहीं दिख रहे। विधानपरिषद चुनाव के लिए वोटिंग होने के बाद अपने समर्थक विधायकों के साथ सूरत में अड्डा जमाए बागी शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे गुवाहाटी पहुंच चुके हैं। वह न केवल शिवसेना की पहुंच से और दूर हो गए हैं बल्कि उन्होंने अपना रुख भी कड़ा कर लिया है। शिवसेना विधायक दल के नेता पद पर अपना दावा जताते हुए जो पत्र उन्होंने राज्यपाल को भेजा है, उस पर 34 विधायकों के हस्ताक्षर हैं, जिनमें 30 शिवसेना के और चार निर्दलीय हैं। भले यह दलबदल कानून के तहत कार्रवाई से बचने के लिए आवश्यक संख्या (37) से कम हो, इतनी तो है ही कि मौजूदा आघाड़ी सरकार को अल्पमत में ला दे और शिवसेना में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व पर सवालिया निशान लग जाए। शायद इसीलिए शाम पांच बजे शिवसेना विधायकों की बैठक बुलाने और उसमें शामिल न होने वालों को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल मानने का एलान करने वाले नेतृत्व ने शाम होते-होते तक वह बैठक ही रद्द कर दी। उसकी जगह उद्धव ठाकरे ने फेसबुक लाइव पर शिवसैनिकों को संबोधित करने का फैसला किया। इस संबोधन में भी उन्होंने अपने तेवर बिल्कुल नरम रखे और कहा कि अगर विधायक चाहते हैं कि वह मुख्यमंत्री पद छोड़ दें तो वह इस्तीफा देने को तैयार हैं बशर्ते ये विधायक खुद उनसे ऐसा कहें।

बहरहाल, सरकार पर जो संकट है, वह इस तरह के भावुकतापूर्ण बयानों से टलने वाला नहीं है। इसमें दो राय नहीं कि बतौर मुख्यमंत्री अपने ढाई साल के कार्यकाल में उद्धव ठाकरे ने अपनी बेहतर प्रशासनिक क्षमता का परिचय दिया है। लेकिन राजनीतिक कौशल दिखाने में वह नाकाम रहे। राज्यसभा चुनावों में क्रॉस वोटिंग के ठीक बाद विधानपरिषद चुनावों में भी क्रॉस वोटिंग हो जाना बताता है कि पार्टी प्रबंधन का काम ठीक नहीं था। यह भी अचरज की बात है कि मुख्यमंत्री की नाक के नीचे उनके मंत्रिमंडल के सदस्य इतनी बड़ी संख्या में विधायकों को साथ लेकर सूरत चले जाने की साजिश रचते रहे और उन्हें भनक तक नहीं लगी। ध्यान रहे, गृह मंत्रालय एनसीपी के पास है। एनसीपी चीफ शरद पवार ने बड़ी सफाई से इस पूरे घटनाक्रम का ठीकरा शिवसेना नेतृत्व पर फोड़ते हुए खुद को इससे अलग कर लिया। अब यह सवाल तो है ही कि आघाड़ी सरकार का क्या होगा, यह भी है कि सरकार गिरने के बाद इस गठबंधन का क्या होगा। बदले समीकरणों में एनसीपी, कांग्रेस और शिवसेना के रिश्ते कैसे होंगे। क्या शिवसेना और बीजेपी एक बार फिर एक-दूसरे का हाथ थाम लेगी? अगर शिवसेना नेतृत्व ऐसा फैसला करता है तो उसे प्रदेश राजनीति में बीजेपी के छोटे भाई की भूमिका हमेशा के लिए मंजूर करनी होगी। लेकिन उससे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस संकट से गुजर कर निकलने वाली शिवसेना भी आज जैसी शिवसेना होगी?

विदेशों में क्यों धन जमा करते हैं भारतीय

अरुण कुमार

हाल में खबर आई है कि स्विस बैंकों में भारतीयों के जमा धन में भारी इजाफा हुआ है। वर्ष 2021 में भारत के लोगों और संस्थाओं की स्विस बैंकों में कुल जमा राशि 30,500 करोड़ रुपये थी। यह 14 साल के उच्च स्तर पर है। स्विस बैंकों ने यह जो जानकारी दी है, वह वैध धन है, काला धन नहीं। विदेशों में या स्विस बैंक में भारतीयों का कितना काला धन जमा है, इसका पता लगाना टेढ़ी खीर है।

अपने देश से जिस माध्यम से काला धन विदेशों में जाता है, उसे हम लेयरिंग कहते हैं। लेयरिंग में लोग देश से काला धन हवाला, आयात या निर्यात में अंडर इनवॉयसिंग तथा ओवर इनवॉयसिंग के जरिये किसी टैक्स हेवन देश में किसी शेल कंपनी में डाल देते हैं। फिर वहां उस शेल कंपनी को बंद करके किसी दूसरे टैक्स हेवन देश में नई शेल कंपनी बनाकर उसमें पैसा लगा देते हैं।

इस तरह से छह चरणों में पैसे निकालते, डालते हुए अंत में स्विट्जरलैंड भेजते हैं। ऐसे में छह स्तर होने पर छह शेल कंपनियां बनती और बंद होती हैं, जिसका पता लगाना बहुत मुश्किल होता है। सरकार अगर चाहे भी तो एकाध स्तर तक ही पता लगा पाती है, उससे आगे पता नहीं लग पाता है। लेयरिंग की इस प्रक्रिया में जहां से आखिरी बार स्विट्जरलैंड में पैसा जाता है, स्विट्जरलैंड सरकार उसे उस देश का पैसा मान लेती है।

जैसे कि जर्सी आइलैंड से पैसा स्विट्जरलैंड गया है, तो वह मान लेगी कि यह पैसा ब्रिटिश है, भारतीय नहीं है, क्योंकि जर्सी आइलैंड ब्रिटेन का है। इसलिए उसे भारतीय धन में नहीं गिना जाता है। स्विट्जरलैंड के बैंकों में जो पैसा है, वह सबसे ज्यादा (30 लाख 62 हजार करोड़ रुपये) ब्रिटिश पैसा है, क्योंकि ब्रिटेन के पास सबसे ज्यादा टैक्स हेवन हैं। इसलिए स्विट्जलैंड की सरकार कहती है कि हमारे यहां सबसे ज्यादा पैसा ब्रिटेन से आया है।

जबकि सबसे ज्यादा काला धन रूस, यूक्रेन, भारत आदि देशों में पैदा होता है। वास्तव में जो वैध धन होता है, स्विस बैंक उसकी ही गिनती बताते हैं। सरकार अगर चाहे भी, तो वह पैसा वापस नहीं ला सकती, क्योंकि आयातकों और निर्यातकों पर सरकार का उतना दबाव नहीं होता कि वैध धन को विदेशों से देश में लाया जाए। अगर यह काला धन नहीं है, तो फिर भारत के लोग स्विस बैंकों में पैसा क्यों जमा करते हैं? इसकी कई वजहें हैं।

जब भी अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता की स्थिति पैदा होती है, तो लोग अपने धन को डायवर्सिफाइ (अलग-अलग जगहों पर जमा करना) करते हैं, इससे उनका जोखिम कम हो जाता है। जैसे कि मान लीजिए कि इस बात का खतरा है कि रुपया गिरेगा, तो वे अपना धन फॉरेन एक्सचेंज के माध्यम से स्विस बैंकों में जमा कर देंगे। जो निर्यातक हैं, वे अपना पैसा देर से लाएंगे, जब अर्थव्यवस्था में स्थिरता आएगी और रुपये के गिरने का खतरा कम हो जाएगा।

और जो आयात करने वाले हैं, वे अपना पैसा इसलिए विदेशी बैंकों में जमा रखते हैं, क्योंकि उन्हें आयात बिल भरना होता है। अन्यथा रुपये का मूल्य गिरने पर उन्हें भारी घाटा होगा। इस तरह से आयातक और निर्यातक यह अनुमान लगाकर कि रुपया कमजोर होने पर हमें घाटा हो सकता है, अपना वैध पैसा विदेशी बैंकों में जमा करते हैं। इसके अलावा रिजर्व बैंक की लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) है, जिसके तहत कोई भी हर साल ढाई लाख डॉलर देश के बाहर ले जा सकता है।

उसके चलते भी बहुत से लोग अपना वैध धन स्विस बैंकों में या कहीं और जमा करते हैं। स्विस बैंकों में भारतीयों की जमा राशि बढ़ने का संकेत यह है कि लोगों को लग रहा है कि अर्थव्यवस्था की स्थिति थोड़ी कमजोर हो रही है। इस बीच, एक और बात हुई है, हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स (एचएनडब्ल्यूआई) देश छोड़कर जा रहे हैं। एक रिपोर्ट आई थी कि वर्ष 2014 से 2017 के बीच में देश से 23,000 हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स देश छोड़कर विदेश चले गए।

वर्ष 2018 में पांच हजार एचएनडब्ल्यूआई देश छोड़कर चले गए। सुनने में यह भी आ रहा है कि बीते एक साल में नौ हजार एचएनडब्ल्यूआई देश छोड़कर चले गए हैं। जाहिर है, जब वे बाहर रहेंगे, तो अपनी संपत्ति का एक हिस्सा बाहर ही रखेंगे। अभी देश का जो माहौल है, उसमें कई अति समृद्ध लोगों को यह भय है कि पता नहीं कब सरकार कौन-सा दबाव बनाए या सख्ती करे, इसलिए वे देश छोड़कर विदेशों में बसने जा रहे हैं।

अपने सामाजिक माहौल और निवेश माहौल में जो अनिश्चितता का दौर चल रहा है, उसके कारण भी हो सकता है कि लोगों ने अपना और ज्यादा वैध धन स्विस बैंकों में जमा किया हो।

दो तरीके से देश से विदेशों में पैसा जाता है। एक तो वैध तरीके से और दूसरा काले धन के रूप में। मेरा अनुमान है कि इस समय देश में काले धन की जो अर्थव्यवस्था है, वह जीडीपी का साठ प्रतिशत है।

देश में जितना काला धन पैदा होता है, उसका दस प्रतिशत बाहर जाता है, बाकी 90 प्रतिशत काला धन देश में ही रहता है। इसलिए अगर हमें काले धन पर अंकुश लगाना है, तो देश में ही उस पर लगाम लगानी चाहिए। अगर बाहर भेजे गए काले धन को पकड़ना चाहेंगे, तो उसमें विफलता ही मिलेगी, क्योंकि सरकार को भी ठीक-ठीक पता नहीं कि कितना काला धन बाहर गया है और उसे कहां रखा गया है।

इस संबंध में जो आंकड़े मिलते हैं, वे चोरी के आंकड़े होते हैं। जैसे कि बैंकों के डाटा को हैक करके आंकड़ा बाहर निकाला जाता है, लेकिन वास्तविक आंकड़ा पता नहीं चलता है, क्योंकि उसे छिपाकर रखा जाता है। इसके अलावा, जो काला धन बाहर जाता है, उसका तीस से चालीस प्रतिशत राउंड ट्रिपिंग के जरिये वापस चला आता है।

राउंड ट्रिपिंग का मतलब यह है कि कोई व्यक्ति या कंपनी विभिन्न स्रोतों से धन किसी टैक्स हेवन देश में भेजती है और फिर वहां से अन्य स्रोत से अपनी भारतीय कंपनी में निवेश करा लेती है। इससे यह पता नहीं चल पाता कि वास्तव में पैसा किसका है। साथ ही जो लोग काला धन बाहर भेजते हैं, वे वहां अपने बच्चों की पढ़ाई, इलाज आदि पर खर्च करते हैं अथवा घर खरीद लेते हैं। जैसे कि अंबानी या अदार पूनावाला ने महामारी के दौरान लंदन में बड़े घर खरीदे।

यह पैसा लिक्विड फॉर्म में ज्यादा नहीं रहता कि उसे वापस ला सकें। इसलिए काले धन को बाहर से लाने की कवायद का बहुत फायदा नहीं है। अगर काले धन को पकड़ना है, तो उसे अपने देश में ही रोकना होगा, विदेशों से हम काला धन वापस नहीं ला पाएंगे। सरकार चाहे, तो अपने देश में ही काले धन को पैदा होने से रोक सकती है, लेकिन सरकारें ऐसा करती नहीं हैं, क्योंकि सत्तारूढ़ दलों को काले धन से फायदा होता है।

मुर्मू की उम्मीदवारी पर मोहर के मायने

नीरजा चौधरी

अगले राष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए ने द्रौपदी मुर्मू को अपना उम्मीदवार बनाया है। हालांकि पहले से ही कहा जा रहा था कि इस बार किसी महिला को उम्मीदवार बनाया जाएगा और हो सकता है कि वह अनुसूचित जनजाति की महिला हों। चूंकि नरेंद्र मोदी हमेशा आखिरी क्षणों में लोगों को आश्चर्यचकित करते रहे हैं, इसलिए लोगों को लग रहा था कि इस बार भी वह कोई चौंकाने वाला फैसला कर सकते हैं। हालांकि निर्वाचक मंडल में एनडीए के पास 49 प्रतिशत वोट थे, और किसी उम्मीदवार को जिताने के लिए 50 प्रतिशत वोट चाहिए होते हैं।

चूंकि नवीन पटनायक और जगन मोहन रेड्डी भी प्रधानमंत्री से मिल चुके थे और कहा गया था कि उन्होंने समर्थन का वादा किया था, हालांकि उन्होंने खुलकर कुछ नहीं कहा था। फिर भी यह लगभग तय था कि अगर ये पार्टियां समर्थन नहीं भी करेंगी, तो भी छोटी पार्टियों और निर्दलियों के समर्थन से एनडीए का उम्मीदवार जीत जाएगा, जैसा कि हमने राज्यसभा चुनाव और महाराष्ट्र के विधान परिषद के चुनाव में देखा। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री ने राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को अन्य दलों से सर्वानुमति बनाने के काम पर लगा दिया था।

ऐसा लगता था कि वह यह संदेश देना चाहते थे कि वह सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं, क्योंकि हाल के दिनों में उन्हें कई झटके झेलने पड़े थे। जैसे पैगंबर मोहम्मद पर आपत्तिजनक बयान और अग्निपथ योजना को लेकर भाजपा बैकफुट पर थी। इसके बावजूद उम्मीदवार चयन को लेकर सर्वानुमति बनाने की कोई ठोस पहल नहीं की गई थी। जब द्रौपदी मुर्मू का नाम सामने आया, तो स्पष्ट हो गया कि काफी सोच-विचार कर उनके नाम पर फैसला हुआ है, क्योंकि इसका एक बड़ा महत्व है।

एक अनुसूचित जनजाति की महिला को देश के शीर्ष पद का उम्मीदवार बनाने का मतलब यह कि देश के लोकतंत्र में उपेक्षित और वंचित तबकों को ऊपर उठने का मौका मिल रहा है। हमारे देश में एक बड़ा हिस्सा पिछड़ा रहा है, ऐसे में एक आदिवासी महिला का राष्ट्रपति बनना महत्व रखता है, चाहे वह प्रतीकात्मक ही क्यों न हो। बेशक यह सवाल अपनी जगह है कि रामनाथ कोविंद के राष्ट्रपति बनने से दलितों के जीवन पर कितना फर्क पड़ा या उन्होंने दलितों के लिए क्या किया, लेकिन इसके महत्व से इनकार नहीं किया जा सकता।

हमारे देश में सात-आठ राज्य ऐसे हैं, जहां अनुसूचित जनजाति के लोग बड़ी संख्या में हैं। देश में आदिवासियों की आबादी 8.6 फीसदी है। द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाए जाने से उनके बीच क्या संदेश जाएगा, यह आगामी चुनावी राजनीति के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है। पश्चिमी भारत और हिंदी पट्टी क्षेत्रों में, जहां भाजपा का बहुत बड़ा दांव है, एनडीए के इस फैसले का असर हो सकता है। लेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि मुर्मू कैसे पेश आती हैं और भाजपा इसका किस तरह फायदा उठाती है।

फिलहाल एनडीए ने अपने उम्मीदवार की जीत और भी सुनिश्चित कर ली है, क्योंकि ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इस फैसले का स्वागत किया है, क्योंकि द्रौपदी मुर्मू ओडिशा से ही ताल्लुक रखती हैं। चूंकि द्रौपदी मुर्मू झारखंड की राज्यपाल रही हैं और झारखंड अनुसूचित जनजाति बहुल राज्य है, इसलिए हेमंत सोरेन भी उनका समर्थन करने के लिए बाध्य हो जाएंगे।

इस तरह से एनडीए ने करीब 60 फीसदी वोट पक्का कर लिया है। लेकिन द्रौपदी मुर्मू का महत्व सिर्फ राष्ट्रपति चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है।

आरएसएस ने दशकों से आदिवासी बहुल इलाकों में वनवासी कल्याण आश्रम के जरिये काफी काम किया है। देश में दलित राजनीति सामने आई है, महिला राजनीति भी सामने आ रही है, अल्पसंख्यक राजनीति सामने आई है और अब आदिवासी राजनीति को एक नई बढ़त मिलेगी। आदिवासियों की आकांक्षा को नई बढ़त मिलेगी। इस फैसले से निश्चित रूप से आदिवासियों को महत्व दिया गया है, जिसका असर 2024 के लोकसभा चुनाव में दिखेगा। अब बात करते हैं विपक्ष की, जिसने यशवंत सिन्हा को राष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार बनाया है।

शुक्र है कि शरद पवार, फारूक अब्दुल्ला और गोपाल कृष्ण गांधी के इनकार करने के बाद अंततः विपक्ष को एक उम्मीदवार मिल गया। अगर यशवंत सिन्हा भी इनकार कर देते, तो विपक्ष की भद पिट जाती। लेकिन यशवंत सिन्हा ने तृणमूल कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया और उन्होंने कहा कि वह विपक्ष की एकजुटता के लिए कोशिश करेंगे। विपक्ष ने जिस तरह से उम्मीदवार का चयन किया है, उससे उसकी लापरवाही, तैयारी की कमी, एकजुटता का अभाव सामने आया है। तीन उम्मीदवारों का इनकार कर देना कोई छोटी बात नहीं है।

एक ऐसा भी जमाना था, जब पूरी तैयारी के साथ राजनीति की जाती थी। बेशक खुलासा नहीं किया जाता था, लेकिन इंदिरा गांधी एक साल पहले ही तय कर लेती थीं कि अगला राष्ट्रपति उम्मीदवार कौन होगा। हालांकि वह काफी कद्दावर नेता थीं, जैसे कि आज नरेंद्र मोदी हैं, लेकिन काफी सोच-विचार कर तैयारी के साथ ही वह उम्मीदवार का चयन करती थीं। गठबंधन की राजनीति में ऐसा कर पाना किसी के लिए भी मुश्किल होता है। लेकिन यह मानते हुए भी, पर्दे के पीछे तैयारी तो होनी ही चाहिए थी।

एक समय था, जब सब कुछ पहले तय हो जाता था और बैठक में बस साझा फैसला घोषित होता था, लेकिन आज विपक्ष बैठक में किसी फैसले पर पहुंचने के लिए सोचना शुरू करता है। जाहिर है, राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार की जीत तो होनी नहीं है, लेकिन इस लड़ाई के जरिये विपक्ष दो दिशा में कदम बढ़ा सकता है। एक तो विपक्ष की एकता की दिशा में बढ़ना और जहां तक हो सके, एकजुट रहकर लड़ना तथा 2024 की तैयारी करना और दूसरा, देश में लोगों के सामने भाजपा के विकल्प के रूप में खुद को पेश करना।

अब सवाल यह उठता है कि विपक्ष सभी पार्टियों को एकजुट करने के लिए किसे अपना वार्ताकार बनाता है, जो सभी पार्टियों के नेताओं से बात करे। यशवंत सिन्हा और कपिल सिब्बल ने कहा है कि वे विपक्ष को एकजुट करने की पहल करेंगे। अगर विपक्ष इसे अवसर मानकर एकजुट होने की कोशिश करे, तभी कुछ हो सकता है, अन्यथा विपक्ष की स्थिति कोई अच्छी नहीं है, जो अभी महाराष्ट्र के ताजा घटनाक्रम में भी दिख रहा है। विपक्ष को एक नए जोश, नई एकता के साथ सामने आना होगा, जो अब तक गायब रही है, क्योंकि वह हर जगह विफल होता जा रहा है।

आमजन और वित्तीय समावेशन

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं, किसानों और उद्यमियों को कर्ज की सरल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 13 सरकारी योजनाओं से जुड़े क्रेडिट लिंक्ड पोर्टल जन समर्थ की शुरुआत की है। उन्होंने इस मौके पर कहा कि यह पोर्टल आम आदमी के जीवन को आसान बनाने में अहम भूमिका निभाएगा, वहीं युवाओं के लिए मनचाही कंपनी व उद्यम खोलने और चला पाने के काम को आसान बनाएगा।

उल्लेखनीय है कि कोविड-19 के बाद कल्याणाकरी अर्थशासत्री पूरी दुनिया में वैश्विक मंदी के चुनौतिपूर्ण दौर में गरीबी दूर करने और गरीबों के कल्याण के लिए वित्तीय समावेशन की प्रभावी आवश्यकता बता रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में भारत में हाल के वर्षों में वित्तीय समावेशन की डगर पर तेजी से बढ़ाए जा रहे कदमों की सराहना दुनिया के विभिन्न आर्थिक और वित्तीय संगठनों ने की है।

यह कहा जा रहा है कि भारत में करोड़ों गरीब, पिछड़े एवं कम आय वाले लोगों को अर्थव्यवस्था के औपचारिक माध्यम में शामिल करके उन्हें डिजिटल माध्यम के जरिये पारदर्शी ढंग से वित्तीय और बैंकिंग सेवाओं की सरल उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने से आम आदमी तक सब्सिडी, वित्तीय सेवा, राशन, प्रशासनिक तथा स्वास्थ्य सेवाओं सहित कई बहुआयामी सुविधाएं बिना मध्यस्थों के पहुंच रही हैं।

दुनिया भर में यह भी रेखांकित हो रहा है कि भारत में आम आदमी और छोटे कारोबारियों को छोटी रकम के सरल कर्ज देकर उनके जीवन को आसान और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में सूक्ष्म वित्त क्षेत्र का सकल ऋण पोर्टफोलियो (जीएलपी) तेजी से बढ़ रहा है। 16 जून को प्रकाशित माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क (एमएफआईएन) के नए आंकड़ों के मुताबिक, जीएलपी 31 मार्च, 2022 तक 10 प्रतिशत बढ़कर 2,85,441 करोड़ रुपये हो गया, जो 31 मार्च, 2021 तक 2,59,377 करोड़ रुपये था।

खास बात यह भी है कि सूक्ष्म वित्त उद्योग से बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हो रहे हैं। इसके तहत मार्च, 2022 में ऋण खाते बढ़कर 11.31 करोड़ हो गए, जो मार्च, 2021 में 10.83 करोड़ थे। इसमें कोई दो मत नहीं है कि जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) ने देश में वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। देश में लागू की गई विभिन्न वित्तीय समावेशन योजनाओं से देश का आम आदमी कितना लाभान्वित हो रहा है, इसका आभास भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) इकोरैप के द्वारा प्रकाशित भारत में वित्तीय समावेशन शोध रिपोर्ट, 2021 से लगाया जा सकता है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, भारत अब वित्तीय समावेशन के मामले में जर्मनी, चीन और दक्षिण अफ्रीका से आगे है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जनधन योजना ने ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग की तस्वीर बदल दी है। जिन राज्यों में प्रधानमंत्री जनधन योजना खातों की संख्या ज्यादा है, वहां अपराध में गिरावट देखने को मिली है। यह भी देखा गया है कि अधिक बैंक खाते वाले राज्यों में शराब और तंबाकू उत्पादों जैसे नशीले पदार्थों की खपत में महत्वपूर्ण एवं सार्थक गिरावट आई है।

निस्संदेह देश के गरीब एवं कमजोर वर्ग के अधिकांश लोग वित्तीय समावेशन का लाभ लेने के लिए आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। लेकिन वित्तीय समावेशन की डगर पर कई बाधा और चुनौतियां भी दिखाई दे रही हैं। अब भी बड़ी संख्या में जनधन खाते निष्क्रिय पड़े हुए हैं। देश में डिजिटल बुनियादी ढांचा कमजोर है। डिजिटल लेन-देन की बुनियादी जरूरत-कंख्रयूटर और इंटरनेट बड़ी संख्या में लोगों की पहुंच से दूर हैं।

वित्तीय लेन-देन के लिए बड़ी संख्या में लोग डिजिटल भुगतान तकनीकों से अपरिचित हैं। छोटे गांवों में बिजली की पर्याप्त पहुंच नहीं है। साथ ही मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड के मामले में भी देश अभी बहुत पीछे है। उम्मीद की जा सकती है कि पोर्टल जन समर्थ के तहत शामिल नौ मंत्रालयों की 13 विभिन्न योजनाओं के साथ-साथ देश में लागू विभिन्न वित्तीय समावेशी विकास योजनाओं के कारगर क्रियान्वयन से देश के गरीब व कमजोर वर्ग के करोड़ों लोगों को वित्तीय राहत, सुविधा और सुरक्षा मिल सकेगी। इससे देश में आर्थिक-सामाजिक कल्याण और आर्थिक विकास का नया अध्याय शुरू हो सकता है।

स्वस्थ तन और मन के लिए याद रखें 5 नियम

हमारे शरीर की हर प्रणाली आपस में जुड़ी हुई है। इसलिए, हमारा शारीरिक स्वास्थ्य हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, और हमारा मानसिक स्वास्थ्य हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। हम इन नियमों को नियमों की तरह नहीं मानते हैं, क्योंकि ये जीवन का एक तरीका हैं।

पूरा पोषण लेना

पोषण लेने का मतलब यह नहीं है कि हम हर समय सलाद खाते रहते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करता है कि हम अपने शरीर को प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा से लेकर सभी विटामिन और खनिजों तक सभी पोषक तत्वों से भर दें। यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारा कुल कैलोरी सेवन हमारे शरीर संरचना लक्ष्यों के अनुरूप है। यह भी सुनिश्चित करते हुए कि हमारे आहार में हमारे पसंदीदा और मुख्य खाद्य पदार्थ हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हमारे शरीर का 50-60 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना है और हमें इष्टतम स्वास्थ्य, मस्तिष्क के कार्य आदि के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है।

व्यायाम और गतिविधि

सप्ताह में कम से कम 3-5 बार व्यायाम करना हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। व्यायाम का कोई भी रूप जो हमारे लिए सुरक्षित है, और जिसका हम आनंद लेते हैं, हम में से अधिकांश के लिए एक अच्छी शुरूआत है। दैनिक आधार पर सक्रिय रहने और अधिक कदम (8-10' कदम) चलने के साथ इसे जोड़ना एक आदर्श संयोजन बनाता है।

इसके बाद नींद आती है

हर रात 75 घंटे से ज्यादा सोना अच्छा होता है। पर्याप्त नींद भी हमारी उत्पादकता में सुधार करती है और लालसा, भूख को कम करती है, सूजन और भावनात्मक प्रतिक्रिया को कम करती है।

तनाव प्रबंधन और दिमागीपन

दूसरी ओर, तनाव प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण है, अगर तनाव को ठीक से प्रबंधित किया जाए, तो यह वास्तव में हमें बेहतर प्रदर्शन करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। याद रखें, हमारे विचारों की गुणवत्ता हमारे जीवन की गुणवत्ता को निर्धारित करती है। इसलिए, हमें सक्रिय रूप से अपने दिमाग पर काम करना चाहिए, खुद को सुधारना चाहिए और अपने मानसिक दोषों को कम करना चाहिए। नियमित रूप से ध्यान करना और कृतज्ञता जर्नलिंग रूटीन रखना इनके लिए एक गेम चेंजर है।

पर्यावरण और नियमित प्रबंधन

पर्यावरण प्रबंधन में हमारे पर्यावरण में सब कुछ शामिल है। किचन में खाने से लेकर हमारी आदतों और सोशल मीडिया पर हम लोगों को फॉलो करते हैं। क्या हम अपने आत्म-विकास और हमारे लिए महत्वपूर्ण लोगों को पर्याप्त समय दे रहे हैं? यह उस तरह के लोगों तक भी फैलता है जिनसे हम खुद को घेरते हैं। खुद से पूछने के लिए कुछ प्रश्न: क्या वे हमें प्रेरित करते हैं? क्या वे हमें और हमारे लक्ष्यों का समर्थन करते हैं? क्या वे हमें सुधारने में मदद करते हैं? क्या हमारी दिनचर्या हमें स्वस्थ बनाती है, हमें मनुष्य बनाती है या हमें अधिक उत्पादक बनाती है? मैं अत्यधिक सुबह और सोने से पहले की दिनचर्या रखने की सलाह दूंगा।

आलू का करें छिलके सहित इस्तेमाल जानिए इसके लाभ

सब्जी बनाते समय हम जब आलू का इस्तेमाल करते है, तो आमतौर पर लोग इसके छिलके निकाल कर फेंक देते है, और इसके बाद ही आलू का इस्तेमाल करते है, लेकिन क्या आप जानते हैं आलू को छिलके सहित इस्तेमाल करने के क्या सेहत लाभ मिलते हैं।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है

आलू में भरपूर मात्रा में पोटेशियम पाया जाता है, जो कि ब्लड प्रेशर को रेग्युलेट करने में मदद करता है।

मेटाबॉलिज्म ठीक रखता है

आलू के छिलकेमेटाबॉलिज्म को भी सही रखने में मददगार होते है। इन्हें खाने से नर्व्स को मजबूती मिलती है।

एनीमिया से दूर रखता है

आलू के छिलकेमें आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है जिससे एनीमिया होने का खतरा बहुत हद तक कम हो जाता है।

ताकत

आलू के छिलकेमें भरपूर मात्रा में विटामिन बी3 पाया जाता है, जो कि शरीर को ताकत देने का काम करता है।

फाइबर से भरपूर

हमारी डाइट में फाइबर की कुछ मात्रा जरूर शामिल होना चाहिए और आलू के छिलकेमें अच्छी मात्रा में फाइबर्स होते हैं। ये डाइजेस्टिव सिस्टम को भी बूस्ट करने का काम करते है।

लहसुन-अदरक के सेवन से रहें सेहतमंद

किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना बहुत जरूरी है। इस बात से हम सभी वाकिफ हैं और इसे मजबूत करने के लिए अपनी डाइट में पौष्टिक आहार व सही दिनचर्या का पालन करना भी जरूरी है। साथ ही ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करने की आवश्यकता है, जो हमें अंदर से मजबूत बनाए। हमारी रसोई में वे सारी औषधियां मौजूद हैं जिनके गुणों से हम अभी भी अनजान हैं।

जी हां, आप अदरक-लहसुन का इस्तेमाल खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए जरूर करते होंगे, लेकिन क्या आप इसके सेहत लाभ के बारे में जानते हैं? लहसुन-अदरक के सेवन से आप निरोगी काया पा सकते हैं। लेकिन इसी के साथ इसका सेवन कैसे करना है, इस बारे में भी हमें पता होना आवश्यक है। अधिकतर लोग यह सोचते हैं कि केवल खाने में ही अदरक-लहसुन का सेवन काफी है लेकिन इसके अलावा भी आपको इनका सेवन करना चाहिए, क्योंकि खाने के पकने के दौरान इनके गुण कम हो जाते हैं। आइए जानते हैं इस लेख में लहसुन-अदरक के फायदों व सेवन करने के सही तरीके के बारे में।

इम्यून सिस्टम को कैसे करें मजबूत?

इम्यून को मजबूत करने के लिए लहसुन का इस्तेमाल करें। इसे खाने में पका के खाने की बजाय इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। कुछ देर इन्हें हवा लगने दें। लहसुन में एंटीमाइक्रोबियल तत्व पाया जाता है। ये तत्व वायरस, बैक्टीरिया व फंगस के खिलाफ काम करते हैं। लहसुन खाने से एंटीवायरस प्रोटेक्शन भी मिलता है।

लहसुन कैसे खाएं

इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। इसे आप खाना खाने के बाद पानी के साथ ले सकते हैं। लहसुन को चबा-चबाकर खाने की बजाए इसे पानी के साथ सीधा निगल लें। इस तरह से लहसुन का सेवन करने से यह ज्यादा फायदेमंद होता है। लहसुन को 25 से 30 दिन नियमित खाने के बाद आपके अंदर से लहसुन की खूशबू आना शुरू हो जाएगी तब आप समझ जाएं कि इससे अधिक आपको लहसुन का सेवन नहीं करना है।
लहसुन कई लोगों को हजम नहीं होता है। इसके लिए आप इसका सेवन एकसाथ न करें व धीरे-धीरे इसकी आदत डालें। शुरुआत के समय आप लहसुन के एकदम छोटे से हिस्सा का सेवन करें, फिर इसी तरह धीरे-धीर इसे बढ़ाएं। जब आप लहसुन ले रहे हैं तो इसके साथ दही का सेवन भी करें।

अदरक

अदरक औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से आप अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत रख सकते हैं। इसका नियमित सेवन आपको कई स्वास्थ्य लाभ देगा।

अदरक को कैसे खाएं?

अदरक को बिलकुल बारीक पीस लें व कद्दूकस करें। आपको अदरक 1 चम्मच लेना है। इसमें 6 गिलास पानी डालें। अब इसे उबलने दें। जब यह पानी 3 गिलास हो जाए तो इसे 1 कप में निकाल लें। इसे आप गुड़ या शहद के साथ भी ले सकते हैं। दिनभर में एक बार इसका सेवन करें।

क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

वॉकिंग करना यानी टहलना कई वजहों से हेल्थ के लिए फायदेमंद ही है। इसस दिल स्वस्थ रहता है, कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है, मूड को बेहतर बनाता है। लेकिन क्या खाना खाने के बाद वॉकिंग करना हेल्दी है? स्टडी से पता चलता है कि यह शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है।

यह ब्लड शुगर को रखता है मैंटेन

डायबिटीज मैनेजमेंट में एक अहम हिस्सा आपकी फिजिकल एक्टिविटी होती है। टाइप 2 डायबिटीज रोगियों के साथ एक कंट्रोल्ड ट्रायल में पाया गया कि जो लोग अपने मुख्य भोजन के बाद वाकिंग करते थे उनका शुगर लेवल उन रोगियों की तुलना में कम था जो दिन में सिर्फ एक बार चलते थे।

दिल के लिए है अच्छा

एक्सरसाइज आपके दिल को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हर दिन चलने से आपको हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है। दरअसल करेंट ओपिनियन इन कार्डियोलॉजी जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार वाकिंग करना कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ, ब्लड सर्कुलेशन और ब्लडप्रेशर के लिए फायदेमंद होता है। इस तरह खाना खाने के बाद चलना आपके दिल की देखभाल करने का एक अच्छा तरीका है।

पाचन को रखता है दुरुस्त

रिसर्च कहती है कि फिजिकल एक्टिविटी के एंटी इन्फ्लेमेटरी एक्टिविटी के कारण खाना खाने के बाद चलना पाचन में सुधार कर सकता है। एक्सरसाइज से अपनी आंतों में फैट, लिपिड और ग्लूकोज मेटाबोलिज्म के परिवर्तनों को कम करने में मदद करते हैं जो इन्फ्लेमेटरी स्थितियों को कम कर सकते हैं।

लेकिन दुष्प्रभाव भी हैं

खाने के बाद वॉकिंग करना पेट में तकलीफ की वजह भी बन सकता है। इनमें अपच, मतली, उल्टी, पेट फूलना, गैस, दस्त, और दर्द शामिल हैं। यह एक हाई कार्बोहाइड्रेट सेवन या हाल ही में खाए गए खाद्य पदार्थों के पाचन में समस्याओं के कारण होता है। इससे बचने के लिए आपको चलने से 30 मिनट पहले इंतजार करना चाहिए।

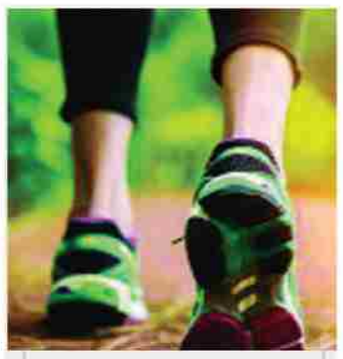

चलना या वॉकिंग करना ऐसी एक्टिविटी है जिसे आप आसानी से अपनी रूटीन में शामिल कर सकते हैं। लेकिन क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

जानिए मुलेठी के ये गजब के फायदे

मुलहठी स्वाद में मीठी होने के साथ-साथ कई औषधि गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से न सिर्फ खांसी में आराम मिलता है बल्कि इसके कई फायदे भी है। इसका इस्तेमाल आंखों के रोग, मुंह के रोग, गले के रोग, दमा, दिल के रोग, घाव के उपचार के लिए सदियों से किया जा रहा है आइए जानते हैं मुलहठी के गजब के फायदों के बारे में.

- अगर आप सूखी खांसी या गले की समस्याओं से परेशान हैं, तो मुलहठी आपके काम की चीज है। काली मिर्च के साथ पीस कर मुलहठी का सेवन, सूखी खांसी में तो लाभकारी है ही, साथ ही इसे चूसने या उबालकर सेवन करने से गले की खराश, दर्द आदि में भी लाभ होता है।
- मुलहठी चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती है। इसे घिसकर लगाने पर चेहरे के दाग और मुंहासे ठीक हो जाते हैं, साथ ही यह आपकी त्वचा को जवा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुलहठी रक्त को भी शुद्ध करती है जिससे त्वचा की समस्याएं नहीं होती।
- दूध के साथ मुलहठी का सेवन शरीर की ताकत में वृद्धि करता है। इसके अलावा घी व शहद के साथ मुलहठी का प्रयोग करने से हृदय से संबंधित समस्याएं नहीं होती।
- मुंह में छाले हो जाने की स्थिति में मुलहठी चूसना, इसके पानी से कुल्ला करना और उसे पीना बहुत जल्दी छालों से राहत देता है। साथ ही मुलहठी आवाज को मधुर और सुरीली बनाने के लिए भी उपयोग की जाती है।
- पेट के अल्सर में मुलहटी का सेवन ठंडक देने के साथ ही लाभप्रद होता है। आंत की टीबी होने की स्थिति में भी मुलहठी फायदेमंद उपाय है।
- त्वचा या शरीर में कहीं जल जाने पर भी मुलहठी के चूर्ण और मक्खन का लेप एक कारगर उपाय है, साथ ही यह आंखों की रौशनी में भी वृद्धि करती है।

पेट से जुड़ी समस्याओं से हैं परेशान तो इन आसान उपायों से पाएं छुटकारा

लाइफस्टाइल में बदलाव का सीधा असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। गलत खान-पान आपकी सेहत को प्रभावित करता है, ऐसे में पेट से जुड़ी समस्या का होना आम बात है। जैसे पेट दर्द, गैस, पेट का फुलना आदि। वहीं कुछ लोग पेट अच्छी तरह साफ न होने की शिकायत रहती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पेट साफ न होने की समस्या से निजात पा सकते हैं।

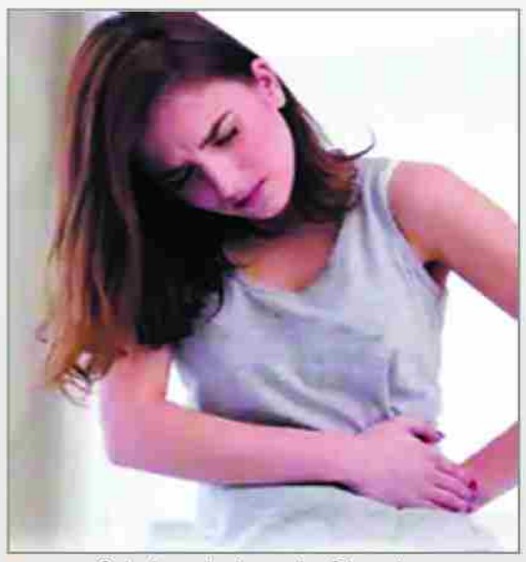

- बदहजमी से परेशान है, तो आपको पुदीना का सेवन करना चाहिए। पुदीना पेट को साफ करने में मदद करता है। इसका सेवन आप चटनी के रूप में भी कर सकते है।
- सौंफ और सफेद जीरा पाउडर को पहले तवे पर भून लें और फिर उसे मिलाकर पीस लें। अब इस पाउडर का सेवन या तो दिन में एक बार करें या फिर अगर पेट साफ न होने की समस्या से ज्यादा परेशान हैं, तो इसका सेवन दो से तीन बार करें। आपको पेट साफ न होने की समस्या से राहत मिलेगी।
- नियमित रूप से सुबह के समय गुनगुना पानी पीने की आदत बनाएं। इसके कई फायदे हैं। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और शरीर से सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। साथ ही पेट से जुड़ी समस्याओं से राहत मिलती है।
- अजवाइन का बीज गैस और बदहजमी की समस्या को दूर करता है और तुरंत पेट को साफ करता है। इसके लिए आप अजवाइन के बीज को भूनकर रख लें और खाना खाने के बाद कुछ बीजों को रोज चबाएं।

20 साल में इस बार सबसे कम हुआ गेहूं उत्पादन

आसमान छूती महंगाई के बीच भीषण गर्मी ने दिया झटका

नई दिल्ली। देश में इस साल भीषण गर्मी के कारण गेहूं उत्पादन 20 साल में सबसे कम हुआ है। आसमान छूती महंगाई के बीच गेहूं उत्पादन घटना चिंता का विषय है। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक गेहूं उत्पादन होता है, लेकिन इन राज्यों में भी गर्मी का प्रकोप रहा। फसल कटाई के बाद जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इन तीनों राज्यों में गेहूं उत्पादन में दो दशक की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। दरअसल, मार्च में ही कई राज्यों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंच गया था। इससे पंजाब में खेतों में पकने वाले गेहूं के डंठल का रंग सुनहरे पीले से बदलकर भूरा हो गया, जो फसल खराब होने का संकेत है। यह नुकसान 2010 और 2019 से भी बड़ा है। 2010 में भी इस साल की तरह देश भीषण गर्मी और लू की चपेट में था, जिससे गेहूं उत्पादन प्रभावित हुआ था। हालांकि, 2019 में गर्मी और लू का प्रकोप कम थाए,फिर भी फसल को नुकसान हुआ था। विशेषज्ञों का कहना है कि गेहूं जैसी मुख्य फसल पर मौसम की मार दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा पर जोखिम का संकेत है। गेहूं उत्पादन वाले इलाके भौगोलिक रूप से प्रभावित हो सकते हैं। जल्द कोई उपाय नहीं किए गए तो गर्मी और बढ़ेगी।

किसानों पर बढ़ेगा कर्ज

पंजाब में गेहूं की पैदावार प्रति हेक्टेयर 20 फीसदी कम होकर 43 क्विंटल रह गई है। यह 2010 के आठ फीसदी की गिरावट से भी ज्यादा है। बठिंडा और मानसा में सबसे अधिक 30 फीसदी गिरावट आई है। कम पैदावार के कारण किसानों को प्रति क्विंटल 12000-15000 रुपए का नुकसान हुआ है, जिससे किसान कर्ज के दलदल में फंसते नजर आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश में फसल की पैदावार 18 फीसदी घटी है। हरियाणा में गर्मी के कारण गेहूं के उत्पादन में 19 फीसदी की बड़ी गिरावट देखी गई है। तीनों राज्यों में पैदावार कम होने कारण कृषि मंत्रालय ने उत्पादन के शुरुआती अनुमान को 11.13 करोड़ टन से 5 फीसदी घटाकर 10.64 करोड़ टन कर दिया है। वास्तविक आंकड़ा इससे भी कम हो सकता है।

गेहूं का का उत्पादन आधे से ज्यादा घटने की आशंका

जलवायु परिवर्तन के असर पर 2016 में जारी सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, तापमान में 2.5 से 4.9 फीसदी डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी से गेहूं की पैदावार में 41 से 52 फीसदी तक की गिरावट आ सकती है। हालिया शोध में पता चला है कि भारत में गंगा के मैदानी इलाकों में दुनिया में सबसे ज्यादा गेहूं उत्पादन होता है। इन इलाकों में भी गर्मी का असर दिखेगा। जून, 2021 में प्रकाशित नॉर्वे के ओस्लो में सेंटर फॉर इंटरनेशनल क्लाइमेट रिसर्च में कहा गया कि भारत में गंगा के मैदानी इलाकों पर जलवायु परिवर्तन का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष असर हो रहा है। प्रत्यक्ष प्रभाव के कारण गेहूं उत्पादन एक से 8 फीसदी के बीच घटने और अप्रत्यक्ष असर की वजह से 4 से 36 फीसदी तक कम होने की आशंका है। हरियाणा के करनाल स्थित भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान के प्रमुख जीपी सिंह का कहना है कि अत्यधिक तापमान के कारण गेहूं का उत्पादन घटा है। उन्होंने बताया कि गेहूं उत्पादन 10.9 करोड़ टन हुआ है। लगातार बढ़ते तापमान के कारण कृषि क्षेत्र को और संसाधनों की जरूरत पड़ने वाली है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अध्ययन के अनुसार, आंध्र प्रदेश, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों में उच्च वाष्पीकरणीय मांग के कारण खेती में 30 फीसदी अधिक पानी की खपत होती है।

बिना ब्रांड वाली खाद्य सामग्री होगी महंगी

जीएसटी काउंसिल की बैठक में हो सकता है फैसला

नई दिल्ली। देश में अब बिना ब्रांड वाले डिबाबंद पैकेज्ड खाने-पीने की चीजों और अनाजों पर भी जीएसटी लगाए जाने की तैयारी शुरू हो गई है। मिली जानकारी के मुताबिक इस मुद्दे को अगले हफ्ते चंडीगढ़ में होने वाली जीएसटी काउंसिल की बैठक के एजेंडे में शामिल किया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक इन उत्पादों के ऊपर पांच फीसदी जीएसटी लगाया जा सकता है। पिछले हफ्ते हुई इससे जुड़ी जीएसटी के मंत्रियों के समूह की बैठक में सहमति बन गई है कि ऐसे सभी उत्पादों पर टैक्स लगाया जाएगा जो किसी ब्रांड के तहत रजिस्टर्ड नहीं है लेकिन स्थानीय नाम से उत्पाद बेचते हैं। मौजूदा समय में ऐसे उत्पादों पर कोई जीएसटी नहीं है। मंत्रियों के समूह में इस बारे में त्रिपुरा उच्च न्यायालय के उस फैसले का भी संज्ञान लिया गया है जिसमें एक चावल बेचने वाली कंपनी के ऊपर किसी ब्रांड का दावा न करते हुए अपने नाम से उत्पाद बेचने लिए टैक्स लगाने का फैसला सुनाया गया था। यही वजह है कि मंत्रियों का समूह इस नतीजे पर पहुंचा है कि अब ऐसे सभी उत्पादों पर टैक्स वसूला जाएगा। चंडीगढ़ में जीएसटी काउंसिल की बैठक 28 और 29 जून को होनी है। उससे एक दिन पहले यानी 27 जून 2022 को जीएसटी अधिकारियों की बैठक होनी है। उसी बैठक में इन दरों को अंतिम रूप दिया जा सकता है। साथ ही इसकी वसूली से जुड़ी चुनौतियों पर भी चर्चा की जाएगी।

फिलहाल नहीं लगता कोई टैक्स

देश में बिना ब्रांड के अनाज या फिर खाने पीने की चीजों पर कोई टैक्स की व्यवस्था नहीं थी। और उस पर जीएसटी नहीं लगाया जाता था। अब अगर इन उत्पादों पर टैक्स की व्यवस्था हो जाते हैं तो उसके बाद इन उत्पादों के दाम बढ़ने भी तय हैं। सूत्रों के मुताबिक सरकार अब उन खाद्य पदार्थों के लिए कोई टैक्स छूट की इजाजत नहीं देगी जहां पैकेट बनाकर एक नाम से सामान बेचा जाता है लेकिन ब्रांड के तौर पर कोई दावा नहीं किया जाता है। इस बारे में देश भर से कई जानकारियां मिली हैं कि खाने पीने के सामान से जुड़े उद्योग बिना किसी ब्रांड के पैकेजिंग करके उत्पाद बेचते थे और उस पर जीएसटी बचा रहे थे।

छोटे कारोबारियों को होगा नुकसान: अब तक ये नियम न होने की वजह से जीएसटी से जुड़े टैक्स अधिकारी कारोबारियों को छोड़ देते थे लेकिन अब उन पर शिकंजा कसा जा सकेगा। जीएसटी मामलों के विशेषज्ञ अभिषेक राजा राम ने बताया कि इससे उन कारोबारियों को नुकसान होगा जो छोटे स्तर पर अपना काम करते थे।

2500 करोड़ रुपए जुटाएगा साउथ इंडियन बैंक

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र का साउथ इंडियन बैंक एसआईबी व्यापार विस्तार के लिए अपने पूंजी आधार बढ़ाने और नियामक मानदंडों को पूरा करने को लेकर 2500 करोड़ रुपए तक जुटाने की योजना बना रहा है। बैंक के शेयरधारकों ने पिछले वित्त वर्ष की वार्षिक आम बैठक एजीएम में यह राशि जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, हालांकि बैंक ने कोष नहीं जुटाया। एसआईबी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक बैंक को न केवल बढ़ते व्यवसाय की जरूरतों को पूरा करने के लिए बल्कि लागू नियामक आवश्यकताओं का पालन करने के लिए पर्याप्त पूंजी की आवश्यकता होती है। बैंक ने 12 जुलाई को होने वाली अपनी आगामी वार्षिक आम बैठक में विभिन्न तरीकों से प्रतिभूति जारी कर 2000 करोड़ रुपए तक की शेयर पूंजी टियर वन जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी लेगा। यह बेसल तीन मानदंडों का पालन करने के लिए निजी नियोजन आधार पर बांड जारी कर अतिरिक्त 500 करोड़ रुपए जुटाने की भी अनुमति मांगेगा। बैंक ने कहा है कि प्रतिभूति एक या अधिक चरणों में जारी किया जा सकता है।

रिकॉर्ड वाहन बिकने की उम्मीद

बेस मेटल्स के दाम 20 फीसदी तक गिरे

नई दिल्ली। कच्चे माल के दामों में कमी से इस साल देश की ऑटो इंडस्ट्री के अच्छे दिन वापस लौटने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। अनुमान है कि इस साल कारों की रिकॉर्ड बिक्री होगी। इसका फायदा खरीदारों को डिस्काउंट या ऑफर्स के रूप में मिल सकता है। बीते तीन सालों में देश की ऑटो इंडस्ट्री को लॉकडाउन, कच्चे माल की कीमतों में इजाफा, सप्लाई चेन की दिक्कत, सेमीकंडक्टर और अन्य कॉम्पोनेंट की किल्लत, महंगे फ्यूल जैसी कई परेशानियों का सामना करना पड़ा है। हालांकि अब, बीते महीने स्टील, एल्युमिनियम, कॉपर, पैलेडियम की कीमतों में 10 से 20 फीसदी की कमी आई है। कार को बनाने में 70 फीसदी हिस्सेदारी इन्हीं मेटल्स की होती है। इनके दाम घटने से मैन्युफैक्चरर का ग्रॉस मार्जिन बढ़ने की उम्मीद है। सेमीकंडक्टर की किल्लत भी काफी हद तक दूर हो गई है, यानी प्रोडक्शन में समस्या नहीं है। दूसरी तरफ, देश में कारों का बैकलॉग 6 लाख से ज्यादा है, इसमें से आधा अकेले मारुति सुजुकी का है। ऐसे में कार कंपनियों के सामने डिमांड की भी कोई समस्या नहीं है। पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज घटने से इनकी कीमतों में कमी आई है। इससे खरीदारों का सेंटीमेंट सुधरा है। जानकार इन सब फैक्टर्स को ऑटो इंडस्ट्री के अच्छे दिनों की शुरुआत मान रहे हैं।

सप्लाई की किल्लत और चिप संकट हो रहा खत्म

मारुति सुजुकी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि पैसेंजर कारों की बिक्री के लिए यह साल ऐतिहासिक रहने की उम्मीद है। 2017-18 के 32.8 लाख कारों की बिक्री के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए इस साल 35.5 लाख कारें बिक सकती हैं। हालांकि, दाम में कमी की गुंजाइश नहीं है। सप्लाई की किल्लत और चिप संकट भी धीरे-धीरे खत्म हो रहा है।

सेंसेक्स- 708 अंक गिरकर बंद

शेयर बाजार ने गंवाई तेजी

मुंबई। ब्याज दरों में बढ़ोतरी और वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त पड़ने की आशंका से विदेशी बाजारों में आई गिरावट से हतोत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से सेंसेक्स और निफ्टी पिछले दो दिनों की तेजी गंवाकर एक प्रतिशत से अधिक लुढ़क गए। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 709.54 अंक गिरकर 52 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 51,822.53 अंक और एनएसई का निफ्टी 225.50 अंक टूटकर 15,413.30 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 1.53 प्रतिशत उतरकर 21,178.06 अंक और स्मॉलकैप 1.11 प्रतिशत फिसलकर 23,854.62 अंक पर रहा। चौतरफा बिकवाली से बीएसई के सभी 19 समूह गिर गए। बेसिक मैटेरियल्स 2.67, ऊर्जा 2.24, यूटिलिटीज 2.08, धातु 4.96, तेल एवं गैस 2.06, रियल्टी 2.24 और टेक समूह के शेयर 1.11 प्रतिशत गिर गए। वैश्विक बाजार में गिरावट का रुख रहा।

मॉयल का मिट्टी बचाओ अभियान शुरू

नागपुर। मॉयल ईव्स क्लब हालही में मॉयल के वेस्ट कोर्ट परिसर में योग दिवस पर एक साथ आए। इस अवसर पर ईव्स क्लब की लगभग 50 महिलाओं ने उपस्थित होकर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विभिन्न योगासन किए और उन्होंने मिट्टी बचाने की शपथ भी ली। कार्यक्रम की शुरुआत योगासन से हुई जो स्वस्थ जीवन जीने का सबसे अच्छा तरीका है और इसके बाद सेव सॉयल पहल की शुरुआत हुई। ईशा फाउंडेशन के रोहित कोठारी ने सेव सॉयल अभियान पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया और मॉयल ईव्स क्लब के सदस्यों से इस अभियान का समर्थन करने और प्रसार करने का अनुरोध किया। डा. चारुलता चौधरी, अध्यक्ष, मॉयल ईव्स क्लब ने मिट्टी बचाओ अभियान की शुरू की। इस मौके पर श्रीमती आशा सिंह, श्रीमती गीता कुंदरगी, श्रीमती मौसमी शोम, श्रीमती लीना तुमाने, श्रीमती रोजा पटनायक, श्रीमती नेहा शेष, श्रीमती संगीता करैया, श्रीमती राय, श्रीमती सुषमा शुक्ला और अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे। सभी महिलाओं ने डॉ. चारुलता चौधरी के साथ कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

एयू स्मॉल बैंक का क्रेडिट कार्ड एलआईटी लॉन्च

मुंबई। बदलाव के अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुये एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने एक इनोवेटिव क्रेडिट कार्ड एलआईटी लॉन्च किया जो क्रेडिट कार्ड बाजार में क्रांतिकारी बदलाव का वाहक है। सबसे बड़े स्माल फाइनेंस बैंक और भारत में सबसे तेजी से बढ़ते खुदरा बैंकों में से एक एयू बैंक का एलआईटी लीव इट टुडे क्रेडिट कार्ड कार्डधारकों को अपनी पंसद की जो सुविधाएं चाहते हैं और जिस समय अवधि के लिए चाहते हैं उसकी सुविधा के साथ एक अद्वितीय पेशकश करता है। जब क्रेडिट कार्ड कंपनियां विभिन्न श्रेणियों में आकर्षक उत्पाद पेश करती हैं, ग्राहकों के लिए एक ही कार्ड में ऐसी सभी सुविधाओं का संयोजन खोजना अक्सर मुश्किल होता है। यह ग्राहकों को विशिष्ट श्रेणी के फायदों की पेशकश करने वाले कई क्रेडिट कार्ड रखने के लिए मजबूर करता है जैसे यात्रा संबंधी खर्च पर अधिकतम लाभ के लिए यात्रा कार्ड या विशिष्ट ई-कॉमर्स साइटों पर खरीदारी के लिए सह ब्रांडेड कार्ड। एलआईटी क्रेडिट कार्ड के साथ बैंक ने ग्राहकों के हाथों में एक कार्ड में सभी श्रेणियों की सुविधाओं को चुनने की आजादी दी है। इसके अलावा उन्हें अपनी बदलती जीवनशैली की आवश्यकताओं के अनुसार इन सुविधाओं को चालू या बंद करने की स्वतंत्रता भी मिलती है। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के एमडी और सीईओ संजय अग्रवाल ने कहा, कसटमाईज्ड एलआईटी क्रेडिट कार्ड कई क्रेडिट कार्डों की सुविधाओं को एक ही कार्ड में लाता है।

बासमती चावल की खेती की लागत, घटाता है ड्रिप इरिगेशन, घटते जल स्तर के चलते फायदेमंद

नई दिल्ली। तेजी से घटता जलस्तर, बढ़ती मांग, घटती उत्पादकता और आर्थिक लाभ में भारी कमी की वजह से भारत में बासमती चावल के उत्पादन में स्थिरता एक अहम चिंता का विषय बन गई है। आर सबरीनाथन, ग्लोबल राइस एग्रोनोमिस्ट, नेटाफिम लिमिटेड ने कहा, चावल पानी की भरपूर खपत करने वाली फसल है। तीन प्राथमिक उद्देश्यों के लिए चावल की खेती में पानी की जरूरत होती है। भूमि को तैयार करने के दौरान, निरंतर रिसाव और उपज का पोषण के दौरान। बासमती चावल उगाने वाले किसान को खेत को लगातार पानी से लबालब रखना पड़ता है। किसानों को पानी के उपयोग के लिए कुशल वैकल्पिक तरीकों पर फोकस करना चाहिए और चावल की खेती के लिए ड्रिप इरिगेशन के इस्तेमाल को करना चाहिए। भारत में चावल उत्पादन के मामले में लगभग 500 हेक्टेयर भूमि पर ड्रिप इरिगेशन होती है। निस्संदेह चावल की खेती में कृषि के तौर तरीकों का आत्मनिरीक्षण और उनको ठीक करना अनिवार्य हो जाता है तथा चावल की खेती में इन सुधारों को अपनाते हुए आगे जाने की जरूरत है। ड्रिप इरिगेशन फसल को पानी की बिल्कुल सही आपूर्ति के माध्यम से पानी के उपयोग को कम करती है। इसलिए किसानों को परंपरागत रूप से एक किलो चावल उगाने में 5000 लीटर पानी की जरूरत होती थी, अब उन्हें केवल 1500-1600 लीटर की जरूरत है। वे कम पानी में बड़े पैमाने पर अधिक फसल की उपज प्राप्त करते हैं।

सेव होती रहेगी कार्ड डिटेल्स

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने कार्ड पेमेंट के टोकेनाइजेशन सिस्टम को तीन महीने के लिए आगे बढ़ा दिया है। अब यह एक जुलाई की जगह एक अक्टूबर से लागू होगा। सरकार पहले भी इसे लागू करने की डेडलाइन बढ़ा चुकी है। इसके लागू होने के बाद आपको अपने कार्ड की डिटेल्स किसी भी थर्ड पार्टी ऐप के साथ शेयर नहीं करनी पड़ेगी। अभी ऐसा नहीं है, अभी अगर आप ऑनलाइन खाना मंगवाते हैं या कैब बुक करते हैं तो आपको कार्ड की डिटेल देनी होती है और यहां ग्राहक के कार्ड की पूरी डिटेल्स सेव हो जाती है। जहां फ्रॉड होने का खतरा बना रहता है। टोकेनाइजेशन सिस्टम से ऐसा नहीं होगा। आसान भाषा में इसे समझें तो टोकन में आपको अपनी कार्ड डिटेल्स को डालने की जरूरत नहीं होती है, इसकी जगह पर एक यूनीक ऑल्टरनेट नंबर होता है जिसे टोकन कहते हैं, जो आपके कार्ड से लिंक होता है। जिसके इस्तेमाल से आपकी कार्ड डिटेल्स सुरक्षित रहती है। मतलब जब आप किसी ई-कॉमर्स वेबसाइट पर शॉपिंग के बाद पेमेंट करेंगे तो आपको अपना 16 अंकों का कार्ड नंबर नहीं डालना होगा, उसकी जगह पर टोकन नंबर डालना होगा।

हवाई यात्री मई में लगभग पांच गुना बढ़े

देश में 1.20 करोड़ ने की हवाई यात्रा

मुंबई। घरेलू हवाई यात्री यातायात में भारी सुधार देखने को मिला है और मई में भारतीय विमानन कंपनियों ने स्थानीय मार्गों पर 1.20 करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया।

डीजीसीए द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक यह आंकड़ा सालाना आधार पर पांच गुना अधिक है। नागर विमानन महानिदेशालय डीजीसीए के आंकड़ों के अनुसार मई 2021 में घरेलू हवाई यात्री यातायात केवल 21 लाख था। आंकड़ों के मुताबिक मई 2022 में सबसे अधिक 57.9 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ लगभग 70 लाख यात्रियों को इंडिगो ने अपनी मंजिल तक पहुंचाया। इसके बाद 12.76 लाख यात्रियों के साथ मुंबई स्थित गो फर्स्ट का स्थान रहा। गो फर्स्ट की घरेलू हवाई यात्री यातायात में 10.8 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। एयर इंडिया और विस्तार ने पिछले महीने क्रमशः 8.23 लाख और 9.83 लाख यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाया। डीजीसीए ने कहा कि एयरएशिया इंडिया ने मई 2022 में घरेलू मार्गों पर 6.86 लाख यात्रियों को सेवाएं दीं। आंकड़ों के मुताबिक स्पाइसजेट ने 89.1 प्रतिशत का उच्चतम लोड फैक्टर दर्ज किया, जिसके बाद 86.5 प्रतिशत के साथ गो फर्स्ट रही। लोड फैक्टर से यह पता चलता है कि किसी एयरलाइन ने यात्री परिवहन क्षमता का कितना उपयोग किया।

जोखिम-आधारित पूंजी पर काम कर रहा इरडा

चेयरमैन पांडा ने दी जानकारी

नई दिल्ली। बीमा नियामक इरडा अन्य देशों द्वारा अपनाई गई गतिविधियों के अनुरूप जोखिम आधारित पूंजी ढांचे की ओर बढ़ने के प्रस्ताव पर काम कर रहा है, ताकि पूंजी का अनुकूलतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। बीमा नियामक इरडा के अध्यक्ष देवाशीष पांडा ने बुधवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण इरडा पर्यवेक्षण ढांचे में सुधार की दिशा में भी काम कर रहा है, जो प्रौद्योगिकी द्वारा सक्षम जोखिम पर आधारित होगा। नीति शोध केंद्र के स्टेट कैपेसिटी इनिशिएटिव द्वारा आयोजित अपने नियामक को जानिए शीर्षक वाली एक वार्ता श्रृंखला में पांडा ने कहा, हम सॉल्वेंसी या कारक आधारित पद्धति से दूर जाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि एक जोखिम आधारित पूंजी ढांचे के जरिए जोखिम को संभाला जा सके। वर्तमान पूंजी ढांचे की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि 100 रुपए के जोखिम के लिए आपको 100 रुपए का प्रावधान करने को कहा जा रहा है और 150 रुपए के जोखिम के लिए आपको 100 रुपए का प्रावधान करने के लिए कहा जाता है। कभी-कभी 50 रुपए के लिए भी 100 रुपए मांगे जाते हैं। पांडा ने कहा, साफ है कि यह पूंजी के उपयोग का अनुकूलतम तरीका नहीं है। आज ऐसे देश और नियामक हैं, जहां जोखिम आधारित पूंजी व्यवस्था पहले से मौजूद है।

चालू खाते का घाटा जीडीपी का 1.2 प्रतिशत पर

व्यापार घाटा बढ़ने से कैड बढ़ा

मुंबई। देश का चालू खाते का घाटा कैड वित्त वर्ष 2021-22 में सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी का 1.2 प्रतिशत रहा जबकि वित्त वर्ष 2020-21 में 0.9 प्रतिशत अधिशेष की स्थिति थी। मुख्य रूप से व्यापार घाटा बढ़ने से कैड बढ़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को यह जानकारी दी। आरबीआई के अनुसार, चालू खाते का घाटा वित्त वर्ष 2021-22 की मार्च तिमाही में 13.4 अरब डॉलर यानी सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी का 1.5 प्रतिशत रहा, जो इससे पूर्व दिसंबर तिमाही में 22.2 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 2.6 प्रतिशत था। चालू खाता घाटा तब होता है जब किसी विशेष अवधि में आयातित वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य तथा अन्य भुगतान निर्यात की गई वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य तथा अन्य प्राप्ति की तुलना में अधिक होता है।

व्यापार घाटा बढ़कर 189.5 अरब डालर: केंद्रीय बैंक ने कहा कि व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2021-22 में बढ़कर 189.5 अरब डॉलर हो गया, जो इससे पूर्व 2020-21 में 102.2 अरब डॉलर था। इसके कारण चालू खाते का घाटा बढ़ा है। यह देश की बाह्य ताकत को बताता है। भुगतान संतुलन के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का आयात 618.6 अरब डॉलर का रहा, जबकि एक साल पहले यह 398.5 अरब डॉलर था। इससे व्यापार घाटा बढ़ा है।

एमपीसी बैठक में महंगाई नियंत्रण पर दिया था बल

आरबीआई गवर्नर ने कहा था, महंगाई मुख्य चिंता का विषय

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति एमपीसी की पिछली बैठक में अधिकतर सदस्यों ने मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने की जरूरत पर जोर दिया था।

एमपीसी की 36वीं बैठक इसी माह छह से आठ जून तक हुई थी और इसकी कार्यवाही का विवरण बुधवार को जारी किया गया। आरबीआई ने आठ जून को नीतिगत रेपो दर को तत्काल प्रभाव से 4.40 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.90 प्रतिशत कर दिया था। बैठक के विवरण के अनुसार आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैठक में कहा था, ऐसे समय जबकि उच्च मुद्रास्फीति प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई है, आर्थिक गतिविधियों में सुधार मजबूत बना हुआ है और उसको गति मिली है, मुद्रास्फीति और मुद्रास्फीति की प्रत्याशा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए नीतिगत दरों में और वृद्धि करने के लिए यह समय उपयुक्त है। एमपीसी के सदस्य माइकल पात्रा ने कहा कि कुछ समय के लिए दुनिया भर में मुद्रास्फीति की मुख्य दरें ऊंची बनी रहेंगी। इसका स्तर नहीं बल्कि इस समय यह देखना जरूरी है कि आगे इसकी दिशा क्या रहती है। उन्होंने कहा, यदि मुद्रास्फीति चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कम होने लगती है, तो नीतिगत दर को भविष्य की मुद्रास्फीति के स्तर से ऊपर ले जाने का उद्देश्य जल्द से जल्द प्राप्त हो जाएगा, तथा नीतिगत कड़ाई पर विराम देने और उसे पुनः संशोधित करने का मौका मिल सकता है।

निकट भविष्य में ब्याज दरें बढ़ने की संभावना

सदस्य प्रो. जयंत आर वर्मा की राय थी कि उभरती हुई मुद्रास्फीति और आर्थिक वृद्धि की गति में पारस्परिक संबंधों को देखते हुए एमपीसी की भविष्य की बैठकों में वास्तविक नीति दर को और मामूली बढ़ाने की आवश्यकता है। सदस्य राजीव रंजन ने कहा कि भारत में मुद्रास्फीति ऊंची होने की अटकालों के चलते अल्पकाल में मुद्रास्फीति बढ़ने पर उत्पादन गिरने का सिलसिला अधिक बिगड़ जाता है। इसी तर्क के आधार पर उन्होने कड़े नीतिगत कदम शुरू में ही तेज करने की सिफारिश की थी। सदस्य आशिमा गोयल ने कहा कि आर्थिक दशा में सुधार के मौजूदा चरण में एक साल आगे की वास्तविक दर ज्यादा नकारात्मक नहीं होनी चाहिए।

आईओसी ने सौर चूल्हा पेश किया

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन आईओसी ने बुधवार को घर के अंदर इस्तेमाल किया जाने वाला सौर चूल्हा पेश किया, जिसे रिचार्ज किया जा सकता है। सौर ऊर्जा से चलने वाले इस चूल्हे को रसोई घर में रखकर उपयोग में लाया जा सकता है। इस चूल्हे को खरीदने की लागत के अलावा रखरखाव पर कोई खर्च नहीं है और इसे जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अपने आधिकारिक आवास पर एक कार्यक्रम की मेजबानी की, जहां इस चूल्हे पर पका खाना परोसा गया। इस चूल्हे को सूर्य नूतन नाम दिया गया है। इस अवसर पर आईओसी के निदेशक आरएंडडी एसएसवी रामकुमार ने कहा कि यह चूल्हा सौर कुकर से अलग है,क योंकि इसे धूप में नहीं रखना पड़ता है। सूर्य नूतन को फरीदाबाद में आईओसी के अनुसंधान और विकास विभाग ने विकसित किया है, जो छत पर रखे पीवी पैनल के जरिए प्राप्त सौर ऊर्जा से चलता है।

गेल की वितरित एलएनजी उत्पादन कारोबार की योजना

नई दिल्ली। गेल इंडिया लिमिटेड उपयोगकर्ताओं तक ईंधन पहुंचाने के लिए वितरित तरलीकृत प्राकृतिक गैस एलएनजी उत्पादन के कारोबार में कदम रखने की योजना बना रही है। देश की सबसे बड़ी गैस कंपनी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि गेल शून्य से नीचे के तापमान पर प्राकृतिक गैस को तरल रूप में बदल देगी और उसे ट्रकों के जरिये उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाएगी। गेल ने कहा, गेल ग्रिड से दूर वाले स्थानों और परिवहन क्षेत्र से मांग को पूरा करने के लिए एलएनजी उत्पादन के वितरण कारोबार में प्रवेश करने की योजना बना रही है। इस दिशा में यह देश में अपनी तरह का पहला कदम है। गेल ने पायलट आधार पर एलएनजी का उत्पादन करने में सक्षम छोटे पैमाने के दो द्रवीकरण स्किड्स के लिए ऑर्डर भी दिया है।

भारत बनाम श्रीलंकाई : भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका से पहला टी20आई 34 रनों से जीता

दाबुला (एजेंसी)।

भारतीय महिला टीम ने दाबुला के मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ खेला जा रहा पहलाा टी-20 मुकाबला 34 रन से जीत लिया है। भारत ने पहले खेलते हुए जेमिमा रोड्रिगेज के 27 गेंद में तो शैफाली वर्मा के 31 रनों की बदौलत 138 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंकाई टीम 10 ओवरों में पांच विकेट खोकर 104 रन ही बना पाई। केविशा दिलहारी ने 49 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 47 रन बनाए। भारतीय गेंदबाज राधा यादव ने 2 तो दीप्ति, पूजा और शैफाली वर्मा ने 1-1 विकेट लिया।

भारत की सभी प्रारूपों की नई कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन उनके बजाय श्रीलंका ने स्वप्निल शुरूआत की। भारत ने सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (01) का विकेट पारी के तीसरे ओवर में ही खो दिया। 25 साल की भारतीय खिलाड़ी हाथ खोलने के प्रयास में अनुभवी ओशादी का शिकार बनीं। वह शॉट खेलने की कोशिश में गेंद सीधे मिडऑन पर खड़ी चामरी अटापट्टू को कैच दे बैठीं।

सभिनेनी मेघना एक भी रन नहीं जोड़ सकीं और अनुभवी राणासिंघे ने उन्हें ड्रेसिंग रूम में भेज दिया। गर्म और उमस भरे हालात में शुरू में ही दो विकेट गंवाने के बाद टीम पर दबाव साफ दिख रहा था। हरमनप्रीत और शेफाली वर्मा की जोड़ी ने इस नाजुक स्थिति को संभाला। शेफाली (31 रन) आउट होने वाली तीसरी खिलाड़ी रही जिन्हें अटापट्टू ने अपना शिकार बनाया जब वह बड़ा शॉट खेलने का प्रयास कर रही थीं।

श्रीलंकाई गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी कर सुनिश्चित किया कि उन्हें जल्द ही बड़ा विकेट मिल जाए और ऐसा हुआ भी जब कप्तान हरमनप्रीत (22) 11वें ओवर में स्पिनर इनोका राणावीरा की गेंद पर पगबाधा आउट हुई। राणावीरा ने दो और विकेट अपने नाम किये, उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष (11) और पूजा वस्त्राकर (14) के विकेट लेकर मेहमान टीम के 17 ओवर में छह विकेट झटक लिए थे जबकि उसका स्कोर महज 106 रन था।

टीम में वापसी कर रही रोड्रिगेज ने भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी बखूबी निभाई। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी रोड्रिगेज दबाव में नहीं आई और उन्होंने टीम के लिए अहम रन जुटाए।

उन्होंने तीन चौके और एक छक्का जमाया और दूसरे छोर पर दीप्ति शर्मा ने आठ गेंद में 17 रन जोड़े।

रोनाल्डो सिंह ने स्प्रिंट स्पर्धा में रजत से अपना तीसरा पदक जीता, भारत 5वें स्थान पर रहा

पेरिस (एजेंसी)।

नई दिल्ली = शीर्ष भारतीय साइकिलिस्ट रोनाल्डो सिंह ने एशियाई ट्रैक चैम्पियनशिप के अंतिम दिन सीनियर वर्ग की स्प्रिंट स्पर्धा में रजत पदक जीतकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। यह चैम्पियनशिप में उनका तीसरा पदक था। उन्होंने इससे पहले 1 किमी टाइम ट्रायल और टीम स्प्रिंट स्पर्धा में कांस्य पदक जीते थे। बुधवार को उन्होंने जापान के अनुभवी राइडर केंटो यामासाकी को कड़ी चुनौती दी लेकिन दूसरा स्थान ही हासिल कर सके। यामासाकी ने लगातार रेस में रोनाल्डो को पछाड़ कर पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल किया।

कजाखस्तान के आंद्रे चुगे ने स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। सुबह रोनाल्डो ने सेमीफाइनल में कजाखस्तान के आंद्रे चुगे को पछाड़ा था। यह भारतीय पहली रेस में हार गया था लेकिन वापसी करते हुए अगली दो रेस जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। रोनाल्डो ने कहा कि मेरे दिमाग में स्वर्ण पदक था, लेकिन फिर भी मैं खुश हूं क्योंकि यह मेरा पहला रजत पदक है। यह मेरे करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। प्रत्येक टूर्नामेंट में मेरी तकनीक में सुधार हुआ है, यह सबसे अहम है।

मंगलवार को विश्व जूनियर चैम्पियन और एशियाई रिकॉर्डधारी रोनाल्डो ने 200 मीटर फ्लाइंग टाइम ट्रायल में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था और पुरूष एलीट स्प्रिंट रेस स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनायी थी। घरेलू टीम ने अंतिम दिन एक रजत और दो कांस्य पदक जीते। भारतीय जूनियर साइकिलिस्ट बिरजीत युमनाम ने 15 किमी प्वाइंट रेस में 23 अंक से कांस्य पदक जीता।

कोरिया के सुंगयिओन ली ने 24 अंक से रजत और उज्बेकिस्तान के फारूख बोबोशेरोव ने स्वर्ण पदक हासिल किया। छायानिका गोगोई दिन में हैरान करने वाली साइकिलिस्ट रहीं। इस 19 वर्षीय साइकिलिस्ट ने 10 किमी महिला स्क्रैच रेस फाइनल में कजाखस्तान की पदक की दावेदार रिनाटा सुल्तानोवा को पछाड़कर कांस्य पदक से भारत का खाता खोला। योयूरी किम ने स्वर्ण और जापान की किए फुरूयामा ने रजत पदक प्राप्त किया।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के वेलोड्रोम में एशियाई जूनियर और पैरा चैम्पियनशिप भी इसके साथ ही आयोजित की गई थी। अंतिम दिन 10 फाइनल में कुछ साइकिल भी टकरायी। जापान 18 स्वर्ण, सात रजत और दो कांस्य से संयुक्त पदक तालिका में शीर्ष पर रहा। वर्ल्ड क्लास फील्ड में भारतीय साइकिलिंग टीम 23 पदक (दो स्वर्ण, छह रजत और 15 कांस्य) से पांचवें स्थान पर रही। कोरिया 12 स्वर्ण, 14 रजत और 3 कांस्य पदक जीतकर दूसरे स्थान पर रहा जबकि कजाखस्तान ने 4 स्वर्ण, 4 रजत और तीन कांस्य से तीसरा स्थान हासिल किया।

श्रीलंका दौरे के लिए पाकिस्तान की टेस्ट टीम में यासिर शाह की वापसी

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

लगभग एक साल तक बाहर रहने के बाद लेग स्पिनर यासिर शाह टेस्ट क्रिकेट में वापसी करेंगे जिन्हें पाकिस्तान ने श्रीलंका में अगले महीने होने वाली दो मैच की श्रृंखला के लिए 18 सदस्यीय टीम में जगह दी है।

यासिर पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला के बाद से अपनी फिटनेस लेकर जूझ रहे हैं। उन्होंने सात साल पहले श्रीलंका में 24 विकेट चटकाकर पाकिस्तान की 2-1 की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। शाह ने टीम में आफ स्पिनर साजिद खान की जगह ली है जो आस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली घरेलू टेस्ट श्रृंखला में खेले थे।

पाकिस्तान ने यह श्रृंखला 0-1 से गंवाई थी। पदार्पण का इंतजार कर रहे आलराउंडर सलमान अली आगा और बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज को भी टीम में शामिल किया गया है। पहला टेस्ट गॉल में 16 से 20 जुलाई तक होगा जबकि कोलंबो दूसरे टेस्ट की मेजबानी 24 से 28 जुलाई तक करेगा। पाकिस्तान की टीम छह जुलाई को श्रीलंका रवाना होगी और 11 से 13 जुलाई तक तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी।

टीम इस प्रकार है: बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, अब्दुल्ला शफीक, अजहर अली, फहीम अशरफ, फवद आलम, हारिस राउफ, हसन अली, इमाम उल हक, मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, नौमान अली, सलमान अली आगा, सरफराज अहमद, सौद शकील, शाहीन अफरीदी, शान मसूद और यासिर शाह।

रणजी ट्रॉफी फाइनल : सरफराज शो के बाद मध्य प्रदेश का ठोस जवाब

बेंगलुरु (एजेंसी)।

सरफराज खान (134) के शतक की बदौलत मुंबई के 374 रन बनाने के बाद मध्य प्रदेश ने गुरुवार को रणजी ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन के अंत तक एक विकेट के नुकसान पर 123 रन बना लिए। मुंबई के लिए दूसरे दिन 248/5 से शुरुआत करते हुए सरफराज ने मध्य प्रदेश को 'सरफराज शो' दिखाया। एक तरफ जहां मुंबई के अन्य बल्लेबाज एमपी की फिरकी के आगे बेअसर नजर आए, सरफराज ने मोर्चा संभालते हुए रणजी के इस सत्र का चौथा शतक जड़ा।

सरफराज ने 243 गेंदें खेलकर 13 चौकों और दो छक्कों की मदद से 134 रन बनाए। सरफराज के अलावा शम्स मुलानी ने 12, तनुष कोटियान ने 15, तुषार देशपांडे ने छह और मोहित अवस्थी ने सात रन बनाए। मध्य प्रदेश की ओर से सबसे सफल गेंदबाज गौरव यादव रहे जिन्होंने 35.4 ओवर में 106 रन देकर सरफराज खान के बहुमूल्य विकेट सहित 4 विकेट झटके। इसके अलावा अनुभव अग्रवाल ने तीन, सारांश जैन ने दो और कुमार कार्तिकेय ने एक विकेट लिया।

मुंबई के 374 रन का जवाब देने उतरी मध्य प्रदेश को हिमांशु मंत्री और यश दूबे ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 47 रन की साझेदारी हुई। शुरुआती ओवरों में दोनों बल्लेबाजों ने अपना समय लिया, लेकिन इस सीजन के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज शम्स मुलानी के आते ही हिमांशु ने अपने हाथ खोले। हिमांशु ने मुलानी के दूसरे ओवर में दो छक्के जड़कर पारी का गियर बदला। मुलानी ने दिन के अपने 11 ओवर में 46 रन दिये। हिमांशु 49 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों सहित 31 रन बनाकर लय में दिख रहे थे मगर तुषार देशपांडे ने उन्हें एलबीडब्ल्यू कर मुंबई को पहली सफलता दिलाई।

तीसरे नंबर पर आए शुभम शर्मा ने सलामी बल्लेबाज यश दूबे के साथ 76 रन की साझेदारी कर ली है। दिन का खेल समाप्त होने तक मध्य प्रदेश ने 123/1 रन बना लिए हैं। यश 131 गेंदों पर 44 रन (छह चौके) बनाकर खेल रहे हैं जबकि शुभम ने 65 गेंदों पर 41 रन (छह चौके) बना लिए हैं। पहले सत्र में सरफराज शो के बाद जहां मध्य प्रदेश पिछड़ी हुई लग रही थी, वहीं उन्होंने सूझ-बूझ के साथ बल्लेबाजी करते हुए दूसरे दिन सिर्फ एक विकेट गंवाया। दूसरे दिन के अंत तक मध्य प्रदेश 251 रन से पिछड़ी हुई है, मगर उनके पास 9 विकेट भी बाकी हैं, जो मुंबई के लिए चिंता का विषय है।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम तीन देशों के टूर्नामेंट में स्वीडन से हारी

स्टाकहोम। भारतीय महिला फुटबॉल टीम कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद दूसरे हॉफ के इंजुरी टाइम में गोल खाने के कारण तीन देशों के अंडर-23 टूर्नामेंट में स्वीडन से 0-1 से हार गई। बुधवार की रात को खेले गए मैच स्वीडन की तरफ से एकमात्र गोल मिडफील्डर लिन विकियस ने 96वें मिनट (इंजुरी टाइम के छठे मिनट) में किया। भारत ने शुरू से दबदबा बनाए रखा और गोल करने के कई अवसर बनाए लेकिन अंतिम क्षणों की चूक आखिर में उसे महंगी पड़ी। भारत को पहला बड़ा मौका मैच के 12वें मिनट में मिला जब मिडफील्डर मनीषा कल्याण ने अपनी टीम की साथी मार्टिना थोकचोम से मिले पास पर करारा शॉट जमाया लेकिन वह सीधे गोलकीपर के पास चला गया। मनीषा को 35वें मिनट में फिर से गोल करने का मौका मिला, लेकिन स्वीडिश रक्षापंक्ति ने उनका प्रयास विफल कर दिया। स्वीडिश गोलकीपर एम्मा होल्मग्रेन ने इसके बाद 40वें मिनट में भारत का एक और मौका नाकाम किया। दूसरी तरफ भारतीय गोलकीपर अदिति चौहान सतर्क थी। जब यह लग रहा था कि मैच ड्रॉ हो जाएगा तब विकियस ने स्वीडन के लिए महत्वपूर्ण गोल किया। भारत अपने अगले मैच में 25 जून को अमेरिका से भिड़ेगा।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा- भारत में खेल और खिलाड़ियों का हुआ विकास

नई दिल्ली (एजेंसी)।

फुटबाल की वैश्विक संस्था फीफा और एशियाई फुटबाव परिसंघ (एएफसी) के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात कर भारतीय फुटबाल की स्थिति सुधारने को लेकर चर्चा की। इस दौरान दो अहम फैसले लिए गए। जिसमें भारतीय फुटबाल संघ (एआइएफएफ) के चुनाव को जल्द से जल्द संपन्न कराना और महिला अंडर-17 फीफा विश्व कप का भारत में ही आयोजन सुनिश्चित करना शामिल था।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि देश में खेलों की सुविधाएं बढ़ी हैं, खिलाड़ी सशक्त हुए हैं। यदि राज्य सरकारें, केंद्र सरकार, राज्य संघ, गैर सरकारी संगठन और कॉरपोरेट एक साथ आ जाएं तो एथलीटों और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। खेल और खिलाड़ियों का विकास हुआ है। भारत ने जिस तरह टोक्यो ओलंपिक में 7 मेडल, पैरालंपिक में 19 मेडल, डेफ ओलंपिक में 16 मेडल, आईबीए महिला वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीता और बैडमिंटन टीम ने थॉमस कप जीत कीर्तिमान स्थापित किया है।

जब क्रीज पर उतरता हूं तो अच्छा प्रदर्शन करने के लिए खुद पर भरोसा करता हूं: जायसवाल

बेंगलुरू (एजेंसी)।

यशस्वी जायसवाल सिर्फ 22 साल के हैं लेकिन उन्हें पता है कि मजबूत वापसी कैसे की जाती है। उन्होंने पिछले महीने इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रायल्स के खिलाफ ऐसा किया और इस महीने रणजी ट्रॉफी नॉकआउट में मुंबई के लिए शानदार प्रदर्शन किया। क्वार्टर फाइनल में शतक जड़ने के बाद जायसवाल ने सेमीफाइनल में दो शतक जड़े। वह फाइनल में मध्य प्रदेश में खिलाफ सत्र के चौथे शतक की ओर बढ़ रहे थे लेकिन बुधवार को रणजी ट्रॉफी फाइनल के पहले दिन मध्य प्रदेश के तेज गेंदबाज अनुभव अग्रवाल ने उन्हें 78 रन के स्कोर पर आउट कर दिया। जायसवाल ने पहले दिन के खेल के बाद कहा, ''हां, मैं इसे लेकर थोड़ा दुखी हूं लेकिन यह क्रिकेट है। आपको अच्छे और बुरे दोनों का अनुभव करना होता है। मैंने अब तक यही सीखा है।'' उन्होंने कहा, ''क्रिकेट में, चीजें उस तरह नहीं होती जैसे आप चाहते हो लेकिन मैं क्रिकेट और इंसान के रूप में खुद में सुधार के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं।'' आईपीएल के दौरान जायसवाल को शुरुआती कुछ मुकाबलों से बाहर किया गया था लेकिन टूर्नामेंट के दूसरे हाफ में उन्होंने रॉयल्स की अंतिम एकादश में वापसी की और कुछ शानदार पारियां खेली। जायसवाल ने कहा, ''आईपीएल में भी ऐसा ही हुआ था। मुझे तीन मैच खेलने को मिले, फिर बाहर हो गया और फिर सात मैच के बाद वापसी की। लेकिन इस सब के बीच में मेरे दिमाग में यह चीज स्पष्ट है कि मुझे कड़ी मेहनत करनी होगी और हमेशा अनुशासित रहना होगा।'' जायसवाल ने कहा कि खराब दौर के दौरान सिर्फ कड़ी मेहनत का फल मिलता है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि उन्हें दबाव की स्थिति में अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा है। जायसवाल ने कहा, ''फाइनल अलग है क्योंकि आपकी मानसिकता अलग होती है। मेरे करीबी लोगों ने मुझे इतनी सारी बातें बताई हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि मैं अच्छा प्रदर्शन करूं। बेशक वे दबाव बनाते हैं। ईमानदारी से कहूं तो मुझे इस दबाव का सामना करने में खुशी होती है, मैं इसका लुत्फ उठाता हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैं इस मानसिकता के साथ उतरता हूं कि मैं ऐसा करूंगा। मैं स्वयं पर विश्वास और भरोसा करता हूं कि मैं जब भी क्रीज पर उतरूंगा तो अच्छा प्रदर्शन करूंगा।

भारत फीफा रैंकिंग में दो पायदान चढ़कर 104वें स्थान पर पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम को एशियाई कप क्वालीफिकेशन में प्रभावशाली प्रदर्शन का फायदा गुरुवार को जारी ताजा फीफा विश्व रैंकिंग में मिला जिसमें वह दो पायदान के फायदे से 104वें स्थान पर पहुंच गई। भारतीय टीम न्यूजीलैंड (103) से एक पायदान नीचे है जो इस महीने के शुरू में अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ में कोस्टारिका से 0-1 से हारने के कारण विश्व कप में जगह बनाने से चूक गया था। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के सदस्यों में भारत पहले की तरह 19वें स्थान पर बना हुआ है। ईरान कुल 23वें स्थान और एएफसी देशों में शीर्ष स्थान पर बरकरार है। सुनील छेत्री की अगुवाई वाली टीम ने इस महीने की शुरुआत में एशियाई कप क्वालीफिकेशन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और ग्रुप डी में अपने तीनों लीग मैच जीतकर 2023 में होने वाले 24 टीम के फाइनल्स में जगह बनायी। विश्व रैंकिंग में ब्राजील शीर्ष पर बना हुआ है। उसके बाद बेल्जियम, अर्जेंटीना, फ्रांस, इंग्लैंड, स्पेन, इटली, नीदरलैंड, पुर्तगाल और डेनमार्क का नंबर आता है।

मालोर्का टेनिस चैंपियनशिप - मेदवेदेव, सिटसिपास आगे बढ़े, किर्गियोस ने वापस लिया नाम

पाल्मा । दानिल मेदवेदेव और स्टेफानोस सिटसिपास ने मालोर्का टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जबकि निक किर्गियोस विंबलडन से पहले चोट से बचने के लिये इस टूर्नामेंट से हट गए। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मेदवेदेव ने असलान करात्सेव को 4-6, 6-3, 6-2 से जबकि सिटसिपास ने इल्या इवाश्का को 6-4, 6-4 से पराजित किया। मेदवेदेव का सामना अब रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट से होगा, जो किर्गियोस के मैच से पहले हटने के कारण आगे बढ़े हैं। मेदवेदेव इस साल विंबलडन में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि ऑल इंग्लैंड क्लब ने यूक्रेन में युद्ध को लेकर रूस और उसके सहयोगी बेलारूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगा रखा है। विश्व में छठे नंबर के सिटसिपास का अगला मुकाबला अमेरिका के मार्कोस गिरोन से होगा, जिन्होंने हमवतन मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 4-6, 7-6 (5), 6-4 से हराया।

टी20 विश्व कप के लिए ऋषभ , श्रेयस और वेंकटेश की जगह खतरे में पड़ी

लंदन (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर , नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप क्रिकेट में ऋषभ पंत के साथ ही, श्रेयस अय्यर और वेंकटेश अय्यर को जगह मिलना भी कठिन नजर आ रहा है। इन तीनों का ही प्रदर्शन हाल के दिनों में अच्छा नहीं रहा है। टी20 विश्व कप के लिए सभी टीमों को अपने खिलाड़ियों के नाम 15 सितंबर तक आईसीसी को भेजने हैं। उससे पहले होने वाले मैचों में ऋषभ , श्रेयस ओर वेंकटेश को अपने को साबित करना होगा। टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम कई टी20 मैचों में अपने खिलाड़ियों को आजमाएगी जिससे वह 15 खिलाड़ियों का अच्छा दल तैयार कर सके। ऐसे में अगर आगामी मैचों में ये खिलाड़ी रन नहीं बना पाते हैं तो उन्हें विश्व कप के लिए शायद ही जगह मिले। तो वर्ल्ड कप स्क्वाड में उनका पत्ता कट सकता है।

ऋषभ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले 5 मैचों में 14.50 की औसत के साथ केवल 58 ही रन बनाए थे। वहीं श्रेयस के पास विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव के टीम में नहीं होने के कारण अपनी जगह पक्की करने का अच्छा अवसर था पर वह विफल रहे। वह सीरीज के दौरान 23.50 की औसत से 94 ही रन बना पाए। श्रेयस और सूर्यकुमार तीसरे नंबर पर उतरते हैं। ऐसे में अय्यर के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सफल नहीं रहने से सूर्यकुमार की संभावनाएं बेहतर हुई हैं।

वहीं हार्दिक पांड्या जब फिट नहीं थे तो वेंकटेश अय्यर को उनके विकल्प के रूप में अवसर मिले थे पर जैसे ही हार्दिक ने अपनी वापसी के बाद बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। उससे वेंकटेश के अवसर कम हुए हैं। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर दीपक चाहर, कुलदीप यादव और वॉशिंगटन सुंदर भी अगर फिट हो जाते हैं तो इन्हें विश्वकप के लिए जगह मिल सकती है।

36 शिवसेना विधायकों पर ऐक्शन का लिखा पत्र, अब उद्धव ठाकरे के सामने सरकार से ज्यादा अपनी पार्टी बचाने का संकट

मुंबई, 23 जून (एजेन्सी)। गुवाहाटी के एक होटल में डेरा डाले हुए शिवसेना के सभी 37 बागी विधायकों ने गुरुवार को महाराष्ट्र विधानसभा के उपाध्यक्ष नरहरि जिरवाल को एक पत्र भेजकर कहा कि एकनाथ शिंदे विधायिका में उनके समूह के नेता बने रहेंगे। इससे पहले दिन में, जिरवाल ने कहा था कि उन्होंने शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ बगावत करने वाले वरिष्ठ मंत्री शिंदे की जगह अजय चौधरी को शिवसेना विधायक दल के समूह नेता के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दी थी। शिंदे ने गुरुवार शाम को डिप्टी स्पीकर को एक पत्र भेजा, जिस पर शिवसेना के 36 विधायकों के हस्ताक्षर थे, जो वर्तमान में उनके साथ गुवाहाटी में रह रहे हैं। इधर शिवसेना अध्यक्ष ने अपने उन सभी विधायकों पर कार्रवाई के लिए पत्र लिखा है।

शिवसेना ने सुनील प्रभु के स्थान पर शिवसेना विधायक भरत गोगावाले को विधायक दल का मुख्य सचेतक नियुक्त किया गया है। इस बीच, शिंदे ने प्रभु द्वारा बुलाई गई बैठक में शामिल नहीं होने के लिए अपने गुट के विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वालों पर भी पलटवार करते हुए दावा किया कि व्हिप केवल विधायी आयोजनों के लिए लागू होता है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के वफादार शिवसेना के कुछ कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, जो बुधवार को पार्टी द्वारा बुलाई गई शाम 5 बजे की बैठक में शामिल नहीं हुए। वहीं शिंदे के पत्र में जिन 36 विधायकों के हस्ताक्षर हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग है।

इधर शिंदे ने कहा, 'आप किसे धमकी देने की कोशिश कर रहे हैं? हम आपकी चालबाज़ियों को जानते हैं और कानून को भी अच्छी तरह समझते हैं। संविधान की 10वीं अनुसूची के अनुसार, व्हिप विधायी कार्यों के लिए लागू होता है न कि किसी बैठक के लिए। 'हम इसके बजाय आपके खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हैं क्योंकि आपके पास (विधायकों की) पर्याप्त संख्या नहीं है, लेकिन फिर भी आपने 12 विधायकों का एक समूह बनाया है। हम इस तरह की धमकियों पर कोई ध्यान नहीं देते हैं।'

उद्धव ठाकरे ने अपनी ही पार्टी के 36 विधायकों के खिलाफ ऐक्शन के लिए लिखा है। इस घटनाक्रम के बाद अपनी सरकार बचाने में जुटे उद्धव ठाकरे आगे सबसे पहले अपनी पार्टी को बचाने का संकट खड़ा हो गया है।

महाराष्ट्र में सरकार गिराने के बजाय बाढ़ प्रभावित असम जाएं पीएम मोदी : गौरव गोगोई

नई दिल्ली, 23 जून (एजेन्सी)। असम कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महाराष्ट्र सरकार गिराने के बजाय बाढ़ प्रभावित असम का दौरा करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर कोई संकट है, तो वह बाढ़ का है। भाजपा सत्ता के लिए अंधी हो गई है। असम में बाढ़ है, पीएम को राज्य का दौरा करना चाहिए, विशेष पैकेज की घोषणा करनी चाहिए लेकिन वह महाराष्ट्र सरकार को गिराने में, या गुजरात चुनाव में व्यस्त हैं... भाजपा के लिए केवल सत्ता ही सबकुछ है।'

कांग्रेस सांसद ने कहा, 'असम के 34 जिलों में 41 लाख से अधिक लोग जारी बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति के प्रभाव में हैं।' केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग व आयुष मंत्री, सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित लोगों से मिलने के लिए असम के नगांव जिले के फूलगुरी हायर सेकेंडरी स्कूल में स्थापित राहत शिविर का दौरा किया। असम के करीमगंज जिले में कुशियारा, लोंगई और सिंगला नदियों के बाढ़ के पानी के बाद जिले के अधिक क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति बिगड़ गई है, जिससे जिले के 1.34 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

बाढ़ के पानी से जिले की कई मुख्य सड़कें जलमग्न हो गई हैं। असम में इस साल अब तक बाढ़ और भूस्खलन से 82 लोगों की मौत हो चुकी है। निचले असम के बारपेटा जिले में अकेले 12.30 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, इसके बाद दरांग में 4.69 लाख, नगांव में 4.40 लाख, बजली में 3.38 लाख, धुबरी में 2.91 लाख, कामरूप में 2.82 लाख, गोलपारा में 2.80 लाख, कछार में 2.07 लाख, नलबाड़ी में 1.84 लाख, दक्षिण सलमारा में 1.51 लाख, बोंगाईगांव में 1.46 लाख, करीमगंज जिले में 1.34 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

एएसडीएमए ने यह भी बताया कि प्राकृतिक आपदा के बीच सात लोग लापता हो गए हैं जबकि 2,31,819 लोगों ने राज्य के 810 राहत शिविरों में शरण ली है। आपदा के कारण कुल 1,13,485.37 हेक्टेयर भूमि प्रभावित हुई है, जबकि एएसडीएमए ने अपनी रिपोर्ट में आगे कहा कि कम से कम 11,292 लोगों को प्रभावित क्षेत्रों से निकाला गया है। लगभग 2.32 लाख लोग इस समय राहत शिविरों में बंद हैं।

इस बीच महाराष्ट्र में सियासी संकट छाया हुआ है। गुरुवार सुबह गुवाहाटी में शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले विधायकों के बागी समूह में शिवसेना के तीन और विधायक शामिल हो गए हैं, जिससे महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महा विकास अघाड़ी सरकार में राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ गई है।

वे गुवाहाटी के रैडिसन ब्लू होटल पहुंचे, जहां अन्य विधायक पहले से मौजूद हैं। शिंदे के साथ कल रात गुवाहाटी में चार और विधायक शामिल हुए। इसके साथ ही पिछले 24 घंटे में बागी गुट में शामिल होने वाले विधायकों की संख्या सात हो गई है।

नेपाल भी कर रहा अतिक्रमण, कब्जा ली भारत की 5 हेक्टेयर जमीन

चम्पावत, 23 जून (एजेन्सी)। उत्तराखंड में भारत-नेपाल सीमा पर भारतीय भूमि में वर्षों से नेपाल का अतिक्रमण बढ़ता गया है। अब तक भारत की पांच हेक्टेयर भूमि पर नेपाल अतिक्रमण कर चुका है। जिसकी रिपोर्ट एसएसबी के साथ ही वन विभाग ने शासन और गृह मंत्रालय को भेजी है। वन विभाग के मुताबिक टनकपुर की शारदा रेंज से लगी भारत-नेपाल सीमा के शारदा टापू समेत ब्रह्मदेव में कई जगहों पर 30 सालों से अतिक्रमण होता आया है।

बताया जा रहा है कि साल 1995 से पहले ही भारत की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा होता रहा। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि भारतीय वन क्षेत्र का करीब पांच हेक्टेयर में नेपाल का इस वक्त अतिक्रमण है। जिसे नेपाल अपना बताते आया है। जबकि इस भूमि को लेकर कई बाद सीमा विवाद हो चुका है। इस अतिक्रमण वाली जगहों पर नेपाल के पक्के मकानों के साथ ही अस्थाई झोपड़ियां और दुकानें बनी हुई हैं।

हालांकि एसएसबी और वन विभाग ने अपने स्तर से अतिक्रमण की रिपोर्ट शासन को भेजी है। एसएसबी के असिस्टेंट कमांडेंट अभिनव तोमर ने बताया कि हाल में कोई अतिक्रमण नहीं हुआ है। लेकिन नेपाल के अतिक्रमण की रिपोर्ट उच्च स्तर पर भेजी है। अब सर्वे ऑफ इंडिया और सर्वे ऑफ नेपाल की टीमें ही इसका हल खोजेंगी।

टनकपुर के रेंजर महेश सिंह बिष्ट ने कहा, 'सीमा से लगे भारतीय वन क्षेत्र में करीब पांच हेक्टेयर भूमि पर नेपाल का अतिक्रमण है। जिसकी रिपोर्ट शासन को भेजी गई है। अब दोनों देशों की सर्वे टीम ही इस मसले का हल खोज सकेंगी। भारत की ओर से किसी भी प्रकार का अतिक्रमण सीमा पर नहीं किया गया है।'

असम में बाढ़ के प्रकोप पर पीएम मोदी बोले- हालात पर हमारी नजर, हरसंभव मदद करेंगे

गुवाहाटी, 23 जून (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को असम में जारी बाढ़ के प्रकोप पर दुख व्यक्त किया और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से असम के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के कारण बाढ़ आ गई है। केंद्र सरकार असम में स्थिति की लगातार निगरानी कर रही है और इस चुनौती से निपटने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है।

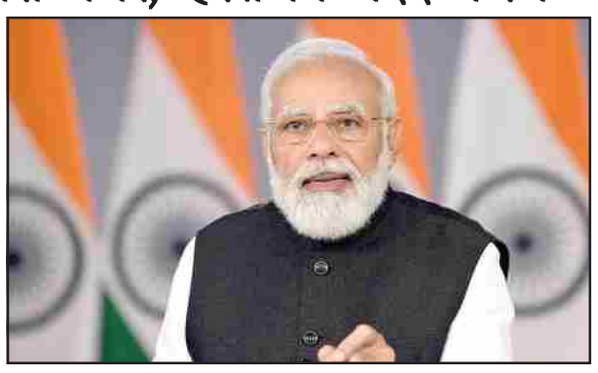

उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में सेना और एनडीआरएफ की टीमें मौजूद हैं। वे निकासी अभियान चला रहे हैं और प्रभावित लोगों की सहायता कर रहे हैं। निकासी प्रक्रिया के तहत वायुसेना ने 250 से अधिक उड़ानें भरी हैं।

इससे पहले राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने बताया कि असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों से अब तक करीब 17,500 लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा चुका है। एनडीआरएफ के एक प्रवक्ता ने कहा कि इनमें से 900 को गुरुवार को निकाला गया। राज्य के 14 बाढ़ प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ की कुल 26 टीमें काम कर रही हैं।

असम में गुरुवार को भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इसमें 54.5 लाख से अधिक लोग अब भी प्रभावित हैं तथा 12 और लोगों की मौत की खबर है। उन्होंने कहा कि मई के मध्य से बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या अब 101 हो गई है।

अधिकांश प्रभावित जिलों में ब्रह्मपुत्र और बराक नदियां अपनी सहायक नदियों के साथ उफान पर हैं और राज्य के कुल 36 जिलों में से 32 जिलों में भूमि का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया है। हालांकि कुछ जगहों पर बाढ़ का पानी कम हुआ है।

मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने बृहस्पतिवार को कहा कि गारो हिल्स में सड़क संपर्क बहाल करने में अभी समय लगेगा। पिछले सप्ताह इस इलाके में भारी बारिश के चलते काफी नुकसान हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने राहत कार्यों के लिए केंद्र सरकार से 300 करोड़ रुपये की सहायता राशि की मांग की है। संगमा ने कहा कि भूस्खलन से सड़कें तबाह हो गई हैं। रास्तों पर बोल्डर जमा हो गए हैं। जिले के सिजु इलाके में पर्यटकों के लिए तैयार की गई सुविधाएं भी नष्ट हो गई हैं। सिमसांग क्षेत्र में राज्य का सबसे बड़ा झूला पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया है।

'बागियों को कीमत चुकानी होगी', शरद पवार बोले- विधानसभा में होगा बहुमत का फैसला

मुंबई, 23 जून (एजेन्सी)। शिवसेना के मंत्री एकनाथ शिंदे की बगावत से महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट पैदा हो गया है। सत्ताधारी महा विकास अघाड़ी गठबंधन सरकार पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इस बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार ने बागी विधायकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि उन्हें कीमत चुकानी होगी। गुरुवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पवार ने कहा कि उद्धव सरकार के पास बहुमत है और एनसीपी उनका पूरा समर्थन करेगी।

मुंबई में एनसीपी प्रमुख ने कहा, 'एमवीए ने सीएम उद्धव ठाकरे को समर्थन देते रहने का फैसला किया है। मेरा मानना है कि एक बार (शिवसेना) विधायक मुंबई लौट आएंगे तो स्थिति बदल जाएगी।' इस बीच बहुमत को लेकर एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उद्धव सरकार के पास बहुमत है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि बहुमत का फैसला विधानसभा में होगा और एक बार जब सभी विधायक मुंबई आ जाएंगे तो तस्वीर कुछ और होगी। उन्होंने कहा, 'यह वक्त किसी की गलतियां निकालने का नहीं है।' राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि महा विकास अघाड़ी सरकार इस संकट से उबर जाएगी। उन्होंने कहा, 'शक्ति परीक्षण तय करेगा कि किसके पास बहुमत है।

पवार ने भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'सब जानते हैं कि कैसे शिवसेना के बागी विधायकों को गुजरात और फिर असम ले जाया गया। हमें उनकी मदद करने वालों का नाम लेने की जरूरत नहीं है...असम सरकार उनकी मदद कर रही है। मुझे आगे किसी का नाम लेने की जरूरत नहीं है।'

शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र के 40 विधायक उनके साथ असम के गुवाहाटी आए हैं और वे सभी, पार्टी के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की 'हिंदुत्व' विचारधारा के लिए प्रतिबद्ध हैं। एकनाथ शिंदे ने संवाददाताओं से कहा, हम बालासाहेब ठाकरे की हिंदुत्व की विचारधारा को लेकर प्रतिबद्ध हैं और हम इसे आगे ले जाना चाहते हैं। बागियों के इस बयान पर शरद पवार ने कहा, 'हिंदुत्व उनके लिए सिर्फ एक बहाना है। जब गठबंधन चल रहा था तो उन्होंने हिंदुत्व के बारे में क्यों नहीं सोचा। उन्होंने इस विषय को कभी नहीं उठाया। उन सभी को मुंबई आने दो, फिर देखेंगे।'

इससे पहले एनसीपी नेता व महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी पार्टी संकट की इस घड़ी में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ खड़ी है। विधायक एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के विद्रोही समूह ने दावा किया है कि उसके पास अब 42 विधायक हैं। पवार ने संवाददाताओं से कहा, 'हम उद्धव ठाकरे जी का पूरा समर्थन करते हैं। हम सरकार को बचाने के लिए सब कुछ करेंगे।'

सत्ता का दुरुपयोग करने में बीजेपी ने कोई कसर नहीं छोड़ी: अखिलेश यादव

लखनऊ, 23 जून (एजेन्सी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा उपचुनावों में सत्ता का 'दुरुपयोग' करने का आरोप लगाया। सपा मुख्यालय से जारी बयान में अखिलेश यादव ने दावा किया कि भाजपा सरकार ने आजमगढ़ और रामपुर के लोकसभा उपचुनावों में सत्ता का दुरूपयोग करने में कोई कसर नहीं छोड़ी और मतदान को प्रभावित करने के लिए तमाम तरह के अवरोध खड़े किए गए।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस से पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित कराया गया तथा भाजपा के पक्ष में मतदान कराने के लिए उन पर 'नाजायज' दबाव डाला गया। सपा प्रमुख ने दावा किया कि निर्वाचन आयोग से की गई शिकायतों के बावजूद निर्वाचन मशीनरी कई मतदान केन्द्रों पर मूकदर्शक बनी रही, फिर भी मतदाताओं ने भाजपा को हराने का काम किया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल को लाभ पहुंचाने के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव को ताक पर रख दिया गया और मतदाताओं को निर्भयता के साथ मतदान नहीं करने दिया गया। यादव ने यह भी दावा किया कि मतदान केन्द्रों पर कब्जा करके फर्जी वोटिंग की गई और कई बूथों पर ईवीएम में खराबी पाई गई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान के हाल के विधानसभा चुनाव में विधायक चुने जाने के बाद दोनों के इस्तीफे से रिक्त हुई क्रमशः आजमगढ़ और रामपुर संसदीय सीटों पर उपचुनाव के लिए बृहस्पतिवार को मतदान हुआ।

उन्होंने आरोप लगाया कि आजमगढ़ लोकसभा के विधानसभा क्षेत्र गोपालपुर, सगड़ी, मुबारकपुर, आजमगढ़, मेहनगर के सभी मतदान केन्दों से एक साजिश के तहत समाजवादी पार्टी के सभी बूथ एजेंटो को बाहर निकाल दिया गया। यादव ने दावा किया कि डीएवी डिग्री कालेज आजमगढ़ के मतदान केन्द्र पर बीएलओ भाजपा के पक्ष में मतदान कराने का दबाव बनाती दिखी। टाण्डा में मतदाताओं को वोट डालने से रोका गया, वहां मतदान रोक दिया गया है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार उपचुनाव में अपनी हार से घबरा गई है और इसलिए रामपुर के स्वार विधानसभा में सत्ता के बल पर मतदाताओं को मतदान करने से रोका गया है। अल्पसंख्यक महिला मतदाताओं को मतदान करने से रोका गया।

एकनाथ शिंदे ने बीजेपी को बताया 'बड़ी राष्ट्रीय पार्टी', बोले- अंत में जीत हमारी होगी

गुवाहाटी, 23 जून (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के बागी शिवसेना विधायकों का नेतृत्व कर रहे महाराष्ट्र के मंत्री एकनाथ शिंदे ने भाजपा का परोक्ष रूप से उल्लेख किया और उसे एक 'बड़ी राष्ट्रीय पार्टी' बताया। शिंदे ने बताया कि उनका निर्णय ऐतिहासिक है और जब भी उन्हें (भाजपा) उनकी आवश्यकता होगी तो वे मौजूद रहेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि जो विधायक गुवाहाटी के एक होटल में हैं, वे अंत में विजयी होंगे। शिंदे को गुवाहाटी के उस होटल में बागी विधायकों की बैठक में नेता चुना गया, जहां वे ठहरे हुए हैं। बैठक में सर्वसम्मति से शिंदे को भविष्य की कार्रवाई के बारे में निर्णय लेने के लिए अधिकृत करने का भी निर्णय लिया गया।

शिंदे खेमे की ओर से आज जारी एक वीडियो में उन्हें यह कहते सुना जा सकता है कि वे किसी भी स्थिति में साथ रहेंगे और एक साथ सामना करेंगे। उन्होंने कहा कि हम हर स्थिति में साथ रहेंगे। हम पूरी एकता के साथ हर चीज का सामना करेंगे। हम अंत में जीत हासिल करेंगे।

उन्होंने कहा, 'जैसा कि आप सभी ने कहा है कि वे (भाजपा) एक राष्ट्रीय पार्टी और 'महाशक्ति' हैं... सभी ने देखा कि पाकिस्तान के साथ क्या हुआ... उन्होंने मुझसे कहा कि मैंने जो फैसला लिया है वह ऐतिहासिक है और वे हमारा समर्थन कर रहे हैं।' वे हमें किसी भी चीज में पीछे नहीं रखेंगे। जब भी ऐसी स्थिति होगी तो जरूरत पड़ने पर वे हमारा समर्थन करेंगे।'

शिवसेना के तीन और विधायकों के बागी गुट में शामिल होने से महाराष्ट्र में सियासी संकट गहरा गया है। गुरुवार को गुवाहाटी में विधायकों ने एकनाथ शिंदे का नेतृत्व किया। वे गुवाहाटी के एक होटल में पहुंचे जहां अन्य विधायक हैं।

भाजपा ने बुधवार को कहा था कि महाराष्ट्र संकट शिवसेना का आंतरिक मामला है और पार्टी का इससे कोई लेना-देना नहीं है। केंद्रीय मंत्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने कहा था कि भाजपा महाराष्ट्र में सरकार बनाने का दावा नहीं कर रही है।

पार्टी नेता देवेंद्र फडणवीस से मिले दानवे ने भी मीडिया से कहा था कि शिवसेना का कोई भी विधायक पार्टी के संपर्क में नहीं है।

दानवे ने कहा था, 'हमने एकनाथ शिंदे से बात नहीं की है। यह शिवसेना का आंतरिक मामला है। भाजपा का इससे कोई लेना-देना नहीं है। हम सरकार बनाने का दावा नहीं कर रहे हैं।'

महाराष्ट्र में चल रहे राजनीतिक संकट के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता जयंत पाटिल ने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ मजबूती से खड़ी है। पाटिल ने कहा, 'हम अंत तक सीएम उद्धव ठाकरे जी के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। हम इस सरकार को बचाने की पूरी कोशिश करेंगे।'

महाराष्ट्र के विधायकों को असम के बजाय बंगाल भेजिए, हम उनकी अच्छी आवभगत करेंगे; बीजेपी से बोलीं ममता बनर्जी

नई दिल्ली, 23 जून (एजेन्सी)। महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक उठा-पटक पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी ने बीजेपी पर निशाना साधा है। ममता बनर्जी ने बीजेपी से कहा है कि महाराष्ट्र के बागी विधायकों को असम के बजाय बंगाल भेज दीजिए हम उनकी अच्छी से आवाभगत करेंगे। बनर्जी ने कहा कि बीजेपी अनैतिक तरीके से महाराष्ट्र की सरकार गिराने का प्रयास कर रही है।

महाराष्ट्र के बागी विधायकों को गुवाहाटी में ठहरने पर ममता बनर्जी ने कहा कि असम में बाढ़ की विभीषिका के बीच प्रभावित लोगों को परेशान करने के लिए महाराष्ट्र के विधायक वहां क्यों भेजे जा रहे हैं। ममता बनर्जी ने अपने बयान में कहा, 'महाराष्ट्र के विधायकों को असम के बजाय बंगाल भेजिए, हम उनकी अच्छी आवभगत करेंगे।' महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार में जारी राजनीतिक संकट के बीच शिवसेना के तीन और विधायक गुरुवार को कैबिनेट मंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले बागी खेमे में शामिल होने के लिए असम की राजधानी गुवाहाटी के लिए रवाना हो गए। तीन विधायकों में सावंतवाड़ी से विधायक दीपक केसकर, चेंबूर से विधायक मंगेश कुडलकर और दादर से विधायक सदा सर्वंकर शामिल हैं। शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महा विकास आघाड़ी एक 'अप्राकृतिक गठबंधन' है और उनकी पार्टी के लिए आवश्यक है कि वह अपने और पार्टी कार्यकर्ताओं के हित में राकांपा और कांग्रेस के साथ इस गठबंधन से बाहर निकल आए।

शिंदे ने दोहराया कि एमवीए गठबंधन में राकांपा और कांग्रेस मजबूत हो रहे हैं, लेकिन मुख्य पार्टी शिवसेना और उसके कार्यकर्ता लगातार कमजोर होते जा रहे हैं। शिवसेना ने 2019 विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा से गठबंधन समाप्त करके एमवीए का गठन किया था।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com